www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 40.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.700g

चांदी 97.000 kg

2 सांस्कृतिक संदेश देने वाली सैन्य कार्रवाई, ऑपरेशन सिंदूर शांति के उल्लंघन के विरुद्ध एक सांस्कृतिक प्रतिक्रिया

पाकिस्तानी टिकटॉक स्टार की हत्या 06

वर्ष :17 | अंक :63 | प्रयागराज ,बुधवार ,04 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

भारत का एक और गद्दार गिरफ्तार, 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान शेयर कर रहा था सेना से जुड़ा इनपुट

पंजाब पुलिस ने मंगलवार को तरनतारन से गगनदीप सिंह नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की गतिविधियों के बारे में पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के साथ कथित तौर पर जानकारी साझा करने का आरोप है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गगनदीप सिंह पाकिस्तान स्थित खालिस्तान समर्थक नेता गोपाल सिंह चावला के भी संपर्क में था। पुलिस ने एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिसमें खुफिया जानकारी है जिसे उसने पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों (पीआईओ) के साथ साझा किया था, तथा 20 से अधिक आईएसआई संपर्कों का विवरण भी है। काउंटर-इंटेलिजेंस-पंजाब से प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तरण-तारन पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में गगनदीप सिंह उर्फ गगन को गिरफ्तार किया। पंजाब के डीजीपी ने कहा कि जांच से पता चला है कि वह सैन्य तैनाती और रणनीतिक स्थानों सहित गोपनीय विवरण साझा करने में शामिल था, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा था।

दिल्ली में प्रदूषण से मिलेगी राहत, रेखा गुप्ता सरकार ने शुरू की यह योजना, कृत्रिम बारिश की भी तैयारी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा और आशीष सूद ने वायु प्रदूषण शमन योजना 2025 का शुभारंभ किया। इस दौरान रेखा गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण दिवस बहुत करीब है और दिल्ली में वायु प्रदूषण हम सभी से जुड़ा मामला है। सालों से हम वायु प्रदूषण से पीड़ित हैं। वायु प्रदूषण ने सालों से दिल्ली के लोगों को परेशान किया है। हमारा एक सपना है - स्वच्छ दिल्ली, हरी दिल्ली, स्वस्थ दिल्ली। मुझे बहुत खुशी है कि हमारे पर्यावरण विभाग, हमारे पर्यावरण मंत्री ने एक शानदार वायु प्रदूषण शमन योजना 2025 का मसौदा तैयार किया है। रेखा गुप्ता ने कहा कि बहुत जल्द ही दिल्ली में क्लाउड सीडिंग के जरिए पहली कृत्रिम बारिश होगी। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को कम करने और खत्म करने के लिए, हम अपने सभी विज्ञान संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे, जो अपने नवीनतम नवाचारों का उपयोग करेंगे और प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में दिल्ली सरकार की मदद करेंगे। उदाहरण के लिए, दिल्ली सरकार ने आईआईटी कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जो क्लाउड सीडिंग और कृत्रिम बारिश पर आधारित है

ट्रंप का कॉल और नरेंद्र सरेंडर...

सीजफायर को लेकर मोदी पर राहुल गांधी का तीखा हमला, 1971 का किया जिक्र

राहुल गांधी का तीखा हमला

राहुल ने कहा कि ट्रंप का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए - इतिहास गवाह है, यही भाजपा-आरएसएस का चरित्र है, ये हमेशा झुकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने 1971 में अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। कांग्रेस के बब्बर शेर और शेरनियां महा शक्ति से लड़ते हैं, कभी झुकते नहीं।

एजेंसी

मध्य प्रदेश। मध्य प्रदेश दौरे पर गए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को सीजफायर को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल ने कहा कि ट्रंप का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए - इतिहास गवाह है, यही भाजपा-आरएसएस का चरित्र है, ये हमेशा झुकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने 1971 में अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। कांग्रेस के बब्बर शेर और शेरनियां महा शक्ति से लड़ते हैं, कभी झुकते नहीं।कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा-आरएसएस वालों पर थोड़ा सा भी दबाव डालो, डरकर भाग जाते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने उधर से फोन कर कहा- नरेंदर.. सरेंडर, इधर नरेंद्र मोदी ने 'जी हुजूर' कहकर ट्रंप के इशारे का पालन किया। एक वक़्त 1971 का भी था, जब अमेरिका का सातवां बेड़ा आया था, लेकिन इंदिरा गांधी जी ने कहा था- मुझे जो करना है, वो करूंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस वालों का कैरेक्टर ही ऐसा है। इन्हें आजादी के समय से सरेंडर वाली चिट्ठी लिखने की आदत है। कांग्रेस पार्टी सरेंडर नहीं होती है। गांधी जी, नेहरू जी, सरदार पटेल जी- ये सरेंडर वाले लोग नहीं हैं, बल्कि सुपरपावर से लड़ने वाले लोग हैं।राहुल ने आगे कहा कि जातिगत जनगणना के दो मॉडल हैं। एक तेलंगाना का मॉडल, दूसरा बिहार का मॉडल। बिहार में अफसरों ने जातिगत सर्वे के लिए बिना दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, जनरल कास्ट या अल्पसंख्यकों से पूछे ही सवाल तैयार कर दिए। वहीं, तेलंगाना में हमने लाखों लोगों से सवाल पूछा। हमारे इस प्रॉसेस में 3.5 लाख से ज्यादा लोगों ने एक साथ मिलकर सवाल निकाले हैं। तेलंगाना के हर घर में सरकार के अफसर गए और सर्वे से जुड़े सवाल पूछे। इससे हमें पता चला कि प्रदेश में कॉर्पोरेट सेक्टर के बड़े पदों पर एक भी दलित, आदिवासी या पिछड़े वर्ग का व्यक्ति नहीं था।

एमपी में शुरू किया संगठन सृजन अभियान, 6 घंटे में 4 मीटिंग कीं

राहुल गांधी मंगलवार को मध्य प्रदेश के दौरे पर हैं। उन्होंने संगठन सृजन अभियान की शुरूआत की। प्रदेश में यह अभियान 10 जून से 30 जून तक चलेगा। राहुल ने 6 घंटे में चार अलग-अलग बैठकें कीं। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से कहा, तीन तरह के घोड़े होते हैं। रेस वाला, बारात वाला और लंगड़ा घोड़ा। रेस वाला घोड़ा दौड़कर आगे बढ़ जाता है। बारात वाला घोड़ा, बारात तक ही चल पाता है। तीसरा घोड़ा लंगड़ा होता है जो किसी काम का नहीं होता। हमें रेस वाला घोड़ा बनना है। दौड़कर आगे जाना है।

राहुल बोले- आज दो हिंदुस्तान बन रहे हैं

राहुल गांधी ने कहा कि देश में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की आबादी करीब 90% है, लेकिन इनकी भागीदारी ही नहीं है। देश में कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों को ही सारा पैसा दिया जाता है। आज दो हिंदुस्तान बन रहे हैं- एक 90% का हिंदुस्तान और दूसरा कुछ चुने हुए लोगों का हिंदुस्तान। ऐसे में हम सुपर पावर बनने की चाहे कितनी भी बात कर लें, लेकिन ये तभी संभव है जब हिंदुस्तान अपनी पूरी शक्ति का उपयोग करे।

योगी सरकार का ऐतिहासिक फैसला

पूर्व अग्निवीरों को यूपी पुलिस और पीएसी में मिलेगा 20% आरक्षण

- इस निर्णय से न सिर्फ पूर्व अग्निवीरों को लाभ मिलेगा, बल्कि राज्य को प्रशिक्षित, अनुशासित और प्रेरित बल प्राप्त होगा
- पुलिस आरक्षी, पीएसी, घुड़सवार आरक्षी एवं फायरमैन की सीधी भर्ती में लागू होगा आरक्षण
- आवेदन करने वाले अग्निवीरों को आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट भी दी जाएगी

एजेंसी

लखनऊ । योगी कैबिनेट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राज्य की पुलिस भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह आरक्षण पुलिस आरक्षी, पीएसी, घुड़सवार आरक्षी एवं फायरमैन की सीधी भर्ती में लागू होगा। योगी सरकार के इस निर्णय से न सिर्फ पूर्व अग्निवीरों को लाभ मिलेगा, बल्कि राज्य को प्रशिक्षित, अनुशासित और प्रेरित बल प्राप्त होगा।उम्र सीमा में भी 3 वर्षों की दी जाएगी छूटवित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सरकार के इस निर्णय का उद्देश्य अग्निपथ योजना के तहत अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों को सेवा के बाद सार्थक अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण फैसला है। आरक्षण सभी श्रेणियों (सामान्य, एससी, एसटी और ओबीसी) पर लागू होगा। अगर कोई अग्निवीर एससी श्रेणी से संबंधित है, तो आरक्षण एससी के भीतर लागू होगा। वहीं, अगर ओबीसी है, तो ओबीसी के भीतर होगा। उन्होंने कहा कि आरक्षी पुलिस, आरक्षी पीएसी, घुड़सवार पुलिस और फायरमैन जैसी श्रेणियों के लिए आवेदन करने वाले अग्निवीरों को आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट भी दी जाएगी।

नुकसान नहीं, नतीजे मायने रखते हैं...

सीडीएस अनिल चौहान बोले, 8 घंटे में पाकिस्तान को घुटने पर लाया

"महाराष्ट्र के पुणे में भविष्य के युद्ध और युद्ध पर एक विशेष व्याख्यान देते हुए सीडीएस चौहान ने कहा कि किसी भी कार्रवाई का परिणाम महत्वपूर्ण होता है। जनरल अनिल चौहान ने कहा कि जब मुझसे हमारे पक्ष में हुए नुकसान के बारे में पूछा गया, तो मैंने कहा कि ये महत्वपूर्ण नहीं हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि भारत असफलताओं पर ध्यान नहीं दे सकता है और उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ देश के ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की। महाराष्ट्र के पुणे में भविष्य के युद्ध और युद्ध पर एक विशेष व्याख्यान देते हुए सीडीएस चौहान ने कहा कि किसी भी कार्रवाई का परिणाम महत्वपूर्ण होता है। जनरल अनिल चौहान ने कहा कि जब मुझसे हमारे पक्ष में हुए नुकसान के बारे में पूछा गया, तो मैंने कहा कि ये महत्वपूर्ण नहीं हैं। परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं, ये महत्वपूर्ण है।

क्या अब वन नेशन, वन हसबैंड की स्कीम है?

पंजाब सीएम भगवंत मान का ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी का नाम लेकर विवादित बयान

एजेंसी

"मान ने कहा कि वे कह रहे हैं कि वे हर घर में सिंदूर भेजेंगे। अगर आपके घर सिंदूर भेजा जाता है, तो क्या आप मोदी के नाम का सिंदूर लगाएंगे? क्या 'एक राष्ट्र, एक पति' आपकी नई योजना है? प्रधानमंत्री पर उनके हमले में आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह की तीखी टिप्पणी की याद ताजा हो गई, जिन्होंने कथित अभियान की निंदा करते हुए इसे सस्ता राजनीतिक स्टंट बताया।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भाजपा के कथित 'घर-घर सिंदूर अभियान' पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी चुनावी लाभ के लिए पवित्र भारतीय परंपराओं का राजनीतिकरण कर रही है। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार करते हुए मान ने कहा कि हम इसमें क्या कर सकते हैं? आप सिंदूर के नाम पर वोट मांग रहे हैं। उन्होंने सिंदूर का मजाक उड़ाया है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता उन खबरों की ओर इशारा कर रहे थे जिनमें कहा गया था कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भाजपा कार्यकर्ता घरों में सिंदूर बांट रहे हैं। हालांकि, भाजपा ने ऐसा कोई अभियान शुरू करने से इनकार किया है। मान ने कहा कि वे कह रहे हैं कि वे हर घर में सिंदूर भेजेंगे। अगर आपके घर सिंदूर भेजा जाता है, तो क्या आप मोदी के नाम का सिंदूर लगाएंगे? क्या 'एक राष्ट्र, एक पति' आपकी नई योजना है? प्रधानमंत्री पर उनके हमले में आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह की तीखी टिप्पणी की याद ताजा हो गई, जिन्होंने कथित अभियान की निंदा करते हुए इसे सस्ता राजनीतिक स्टंट बताया। सिंह ने एक लोकप्रिय हिंदी फिल्म के संवाद पर आधारित एक्स पर पोस्ट किया था, क्या चुटकी सिंदूर का महत्व आप क्या जानते हैं मोदी जी? भारतीय संस्कृति में, महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सम्मान और कल्याण के प्रतीक के रूप में सिंदूर लगाती हैं। यह गर्व, गरिमा और गहरे भावनात्मक अर्थ को दर्शाता है।

जमानत के बावजूद हिरासत में रखा गया, रान्या राव की मां ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अरविंद कामथ ने कहा कि मामले में आपत्तियां पहले ही दर्ज की जा चुकी हैं। इसके बाद अदालत ने कार्यवाही 18 जून तक के लिए स्थगित कर दी। रान्या राव और दूसरे आरोपी तरुण कोंडारू राजू को पिछले महीने आर्थिक अपराध के लिए विशेष अदालत ने जमानत दे दी थी।

एजेंसी

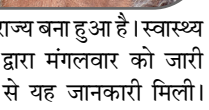

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव की मां ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है, जिसमें सोने की तस्करी के मामले में अपनी बेटी की हिरासत की वैधता को चुनौती दी गई है। रान्या राव को 20 मई को आर्थिक अपराधों के लिए विशेष न्यायालय द्वारा जमानत दी गई थी, लेकिन विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम, 1974 (कोफेपोसा) के तहत दायर एक अलग मामले के कारण वह हिरासत में ही रहेंगी।

भारत में कोरोना के सक्रिय मामले 4,000 के करीब पहुंचे

"ताजा आंकड़ों की माने तो भारत में कोविड-19 के उपचाराधीन मामलों की संख्या बढ़कर 4,000 से अधिक हो गई है, जिसमें केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत में एक बार फिर से कोरोना वायरस के केस बढ़ रहे हैं। पिछले कई दिनों से लगातार संख्या में इजाफा देखा गया है। कोविड के सबसे ज्यादा केस केरल और महाराष्ट्र में देखे गये हैं। कुछ मरीज कोरोना के कारण गंभीर अवस्था में भी पहुंच गये हैं। लगभग 37 लोगों ने इस वायरस के कारण अपनी जान गंवाई है। ताजा आंकड़ों की माने तो भारत में कोविड-19 के उपचाराधीन मामलों की संख्या बढ़कर 4,000 से अधिक हो गई है, जिसमें केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, केरल के बाद महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में शामिल हैं। भारत में कोविड-19 की स्थिति की करीब से निगरानी की जा रही वर्तमान में केरल में 1,446 उपचाराधीन मरीज हैं जो देश में सबसे अधिक है। इसके बाद महाराष्ट्र में 494, गुजरात में 397 और दिल्ली 393 उपचाराधीन मरीज हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कोरोना वायरस के संक्रमण से पिछले 24 घंटे में केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एक-एक मरीज की मौत हुई है।

दिल्ली में 47 संक्रमण की रिपोर्ट, मुंबई में 20 पॉजिटिव

उपचाराधीन मामलों की संख्या 4,000 से अधिक हुई

देश में पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4,026 दर्ज की गई और संक्रमण से पांच मरीजों की मौत की सूचना है। इस साल जनवरी के बाद से देश में कोविड-19 से अब तक 37 लोगों के मरने की सूचना है। देश में 22 मई को उपचाराधीन मरीजों की संख्या 257 थी और 31 मई तक यह संख्या बढ़कर 3,395 हो गई और इसके बाद उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 4,026 हो गई।

दूसरों की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचा सकते

जेल में ही रहेंगी शर्मिष्ठा पनोली, कोलकाता हाईकोर्ट ने नहीं दी राहत

"मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति पार्थ सारथी चटर्जी ने अंतरिम जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि देखिए, हमारे पास बोलने की स्वतंत्रता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप दूसरों को चोट पहुँचाते रहेंगे। हमारा देश विविधतापूर्ण है, यहाँ विभिन्न जाति, पंथ और धर्म के लोग रहते हैं। हमें यह कहते समय सावधान रहना चाहिए। इसलिए, परसों आसमान नहीं गिरेगा।

एजेंसी

कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर शर्मिष्ठा पनोली को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया, जिन्हें ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर एक समुदाय के खिलाफ अब हटाए गए वीडियो में कथित रूप से विवादास्पद बयान देने के लिए गिरफ्तार किया गया था। अपने आदेश में अदालत ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा उस सीमा तक नहीं बढ़ाई जा सकती जहां इससे किसी व्यक्ति या समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचे। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति पार्थ सारथी चटर्जी ने अंतरिम जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि देखिए, हमारे पास बोलने की स्वतंत्रता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप दूसरों को चोट पहुँचाते रहेंगे। हमारा देश विविधतापूर्ण है, यहाँ विभिन्न जाति, पंथ और धर्म के लोग रहते हैं। हमें यह कहते समय सावधान रहना चाहिए।

आरोप

आतंकियों की मदद करने का है आरोप

एलजी मनोज सिन्हा का एक्शन, 3 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

एजेंसी

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिज्ब-उल-मुजाहिदीन (एचएम) के साथ कथित संलिप्तता के लिए तीन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया। संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत की गई यह कार्रवाई राज्य के संस्थानों में आतंकवाद और उसके समर्थन नेटवर्क पर प्रशासन की चल रही कार्रवाई का हिस्सा है। बर्खास्त किए गए तीन कर्मचारी - मलिक इश्फाक नसीर, जम्मू-कश्मीर पुलिस में कांस्टेबल; एजाज अहमद, स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षक; और वसीम अहमद खान, सरकारी मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर में जूनियर असिस्टेंट है। तीनों फिलहाल जेल में हैं। अधिकारियों ने कहा कि तीनों सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ ऑपरेशन में आतंकवादी समूहों की सीधे तौर पर मदद कर रहे थे। 2007 में भर्ती हुए पुलिस कांस्टेबल मलिक इश्फाक नसीर को लश्कर का सक्रिय सहयोगी पाया गया। उसका भाई मलिक आसिफ नसीर पाकिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर का आतंकवादी था, जो 2018 में मारा गया। मलिक ने पुलिस बल में सेवा करते हुए संगठन का समर्थन करना जारी रखा, हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी में मदद की। जम्मू क्षेत्र में हथियारों की तस्करी की 2021 की जांच के दौरान उसकी संलिप्तता सामने आई। मलिक ने कथित तौर पर सीमा पार लश्कर के संचालकों के लिए जीपीएस-निर्देशित हथियारों की आपूर्ति के समन्वय के लिए अपने आधिकारिक पद का इस्तेमाल किया। वह जम्मू-कश्मीर के भीतर सुरक्षित ड्रॉप जोन की पहचान करने और आतंकवादियों को हथियार वितरित करने के लिए भी जिम्मेदार था।2011 में सरकारी स्कूल में शिक्षक के रूप में नियुक्त एजाज अहमद पुंछ में एचएम के साथ मिलकर काम करता पाया गया। नवंबर 2023 में उसके संबंधों का खुलासा हुआ जब उसे और उसके एक सहयोगी को नियमित पुलिस जांच के दौरान पकड़ा गया। उसकी टोयोटा फॉर्च्यूनर में हथियार, गोला-बारूद और हिज्ब-उल-मुजाहिदीन के पोस्टर मिले।

"तीनों फिलहाल जेल में हैं। अधिकारियों ने कहा कि तीनों सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ ऑपरेशन में आतंकवादी समूहों की सीधे तौर पर मदद कर रहे थे। 2007 में भर्ती हुए पुलिस कांस्टेबल मलिक इश्फाक नसीर को लश्कर का सक्रिय सहयोगी पाया गया।

वसीम अहमद खान, जो 2007 से श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में कार्यरत था, को लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों की मदद करने में उसकी भूमिका के लिए बर्खास्त कर दिया गया था। बटमालू आतंकी हमले की एक अलग जांच के दौरान 2018 में पत्रकार शुजात बुखारी और उनके दो पुलिस गार्डों की हत्या में उसकी संलिप्तता का पता चला था।

यूपीए सरकार ने नौ सर्जिकल स्ट्राइक की, लेकिन उनका राजनीतिकरण नहीं किया- सुरजेवाला

- साथ ही कहा कि इन शक्तियों का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान कम से कम नौ ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक का दस्तावेजीकरण किया गया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा मोदी सरकार की सर्जिकल स्ट्राइक की प्रशंसा करने वाली टिप्पणियों को लेकर उठे विवाद के बीच, कांग्रेस ने कहा कि राजनीतिक नेतृत्व ने हमेशा सशस्त्र बलों को आतंकी शिविरों या आतंकवादियों को बेअसर करने की स्वतंत्रता दी है। साथ ही कहा कि इन शक्तियों का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान कम से कम नौ ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक का दस्तावेजीकरण किया गया है। हालांकि, कांग्रेस का मानना है कि सत्ताधारी पार्टी या किसी और के लिए राजनीतिक लाभ के साधन के रूप में सशस्त्र बलों का उपयोग करना अपवित्र है। हाल ही में पनामा में प्रवासी समुदाय के एक कार्यक्रम में थरूर ने विवाद को हवा दी। ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यह भारत के सैन्य रुख में बदलाव का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, 2016 के उरी हमले के बाद पहली बार भारत ने एलओसी पार करके आतंकी ठिकानों पर हमला किया। यहां तक कि कारगिल युद्ध के दौरान भी हमने एलओसी पार नहीं की थी।

सम्पादकीय

गंभीर संकट का संकेत है ग्लोबल वार्मिंग

जलवायु परिवर्तन या यों कहे कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानव अस्तित्व पर आ रहे संकट की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 2 जून को समूचे विश्व में ग्लोबल हीट एक्शन डे मनाया जाने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम तेजी से हमारे सामने आने लगे हैं।लाख प्रयासों, शिखर सम्मेलनों और संकल्पों के बावजूद पृथ्वी पर तापमान की बढ़ती दर को रोकने में हम पूरी तरह से विफल रहे हैं।1850 से अब तक के रेकार्ड के अनुसार विश्व में अब तक का सबसे गर्म साल 2024 रहा है। वर्कले अर्थ द्वारा जारी रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि होती है कि सर्वाधिक गर्म साल 2024 रहा है। मजे की बात यह है कि यह सब तो तब है जब ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वैश्विक सम्मेलन लगातार आयोजित हो रहे है और पृथ्वी के बढते तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा सीधा अर्थ धरती के तापमान में बढ़ोतरी होना है। इस साल 2025 के ग्लोबल हीट डे की थीम रिकागनाइजिंग एण्ड रेस्पोडिंग टू हीट स्ट्रोक रखा गया है। दुनिया के देष 2050 तक ग्लोबल वार्मिंग दर को 50 प्रतिशत कम तक लाना है। दरअसल 1896 में ही स्वीडिस मौसम विज्ञानी ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से चेता दिया था।1975 में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सबसे पहली रिपोर्ट आई और 1988 में अमेरिका की सीनेट में नासा वैज्ञानिक जैम्स हेनसेन से चर्चा करते हुए आने वाले संकट को स्पष्ट कर दिया था। ग्लोबल वार्मिंग के चलते आज दुनिया के देशों, समुद्र किनारे के शहरों, जंगलों की जैव विविधता और बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों के सामने गंभीर संकट आ गया है। कहने का अर्थ यह है कि यह संकट किसी एक स्थान या एक नागरिक विशेष पर ना होकर समूची मानव जाति और अस्तित्व पर आ गया है। इसके दुष्परिणामों को तो इस तरह से समझा जा सकता है कि ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं, इससे समुद्र का जल स्तर लगातार बढने लगा है। मौसम के हालात अस्पष्ट होते जा रहे हैं। गर्मी और अधिक लंबी व गर्म होती जा रही है तो मौसम चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बरसात हो चरम स्थिति में होने लगा है। रेगिस्तान बढ रहा है तो जलवायु परिवर्तन या यों कहें कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते नित नए चक्रवात, तूफान, बरसात के दिन कम होने के बावजूद एक ही समय में अत्यधिक बरसात, सर्दियों में अधिक बरसात आदि सामने आ रहे हैं।मौसम विज्ञानियों ने पहले ही चेता दिया था कि औद्योगिक क्रान्ति और उसके चलते हमारी जीवन शैली में बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग के हालात बनते जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग रहा है। कोयला, तेल, गैस आदि जीवाश्म ईंधन के उपयोग से अंतरिक्ष की परत प्रभावित हुई है और उसके चलते तापमान में बढ़ोतरी के हालात बनते जा रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि जीवाश्म ईंधन के साथ ही कुछ अन्य कारण भी है जिनके चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है।

आज का विचार

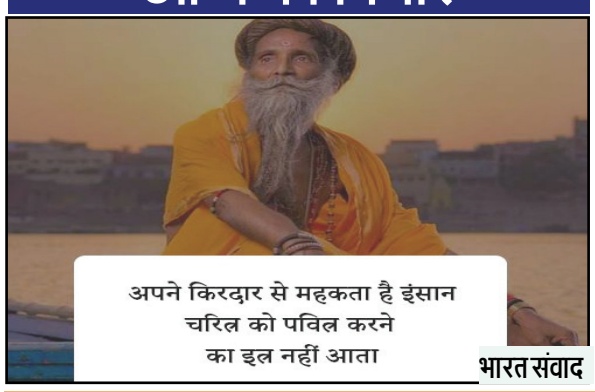

राशिफल

मेष राशि : अनुकूल रहने वाला है. आपके खर्चों में कमी आएगी और अटका धन प्राप्त होगा, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा.

वृषभ राशि: आज अच्छा हो सकता है. धन का निवेश करने से बचें क्योंकि आपके खर्चे बढ़ेंगे तो स्थिति से तालमेल बिठाना थोड़ा मुश्किल हो जाएगा. परिवार का सहयोग मिलता रहेगा, जिससे काम भी आसानी से बन जाएंगा.

मिथुन राशि: आज अनुकूल रहने वाला है. काम पर पूरा ध्यान देंगे, जिससे अच्छे नतीजे भी मिलेंगे. आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं और किसी बड़े व्यक्ति का सहयोग से आपके काम भी पूरे होंगे. सामाजिक कार्यों को करने से सम्मान के रूप में कोई पुरस्कार भी मिल सकता है.

कर्क राशि: आज अनुकूल साबित होगा, भाग्य का साथ मिलेगा. किसी सरकारी अधिकारी की मदद से महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी. नौकरी पेशा जातकों के प्रॉजेक्ट्स से अच्छे परिणाम की प्राप्ति होगी. आपका कारोबार आगे बढ़ सकता है और नए ऑर्डर भी मिल सकते हैं. पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा.

सिंह राशि: मध्यम फलदायी रहने वाला है. आपके कुछ कार्य अटक सकते हैं तो कुछ काम बन भी जाएंगे. व्यापार के सिलसिले में आपकी योजनाओं से अच्छे परिणाम मिलेंगे. विदेश में रहने वालों को अच्छा लाभ मिलेगा. हयोग से विरोधियों पर हावी रहेंगे.

कन्या राशि: महत्वपूर्ण रहेगा, ठंडे मौसम की वजह से आपका मन किसी भी काम में नहीं लगेगा. इनकम में कमी आएगी और कुछ जरूरी खर्चे भी बढ़ सकते हैं. व्यापारियों को आज बड़ी सफलता मिल सकती है और कोई बड़ा ऑर्डर भी मिलेगा.

तुला राशि: अनुकूल रहने वाला है. कार्यक्षेत्र के कुछ जरूरी काम बन जाने से मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. व्यापार में अच्छे लाभ के योग बन रहे हैं. किसी अच्छे फायदे के सौदे से अच्छा मुनाफा भी मिलेगा. परिवार में क्लेश की स्थिति उत्पन्न हो सकता है, इसलिए शांतिपूर्ण स्थिति बनाए रखने का प्रयास करें.

वृश्चिक राशि: अनुकूल रहने वाला है. कार्यक्षेत्र में अपने काम पर पूरा ध्यान देंगे और कोई नया काम भी हाथ में ले सकते हैं. नौकरीपेशा जातकों पर काम का दबाव रहेगा. आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिससे आपकी सुख-सुविधाएं बढ़ें.

धनु राशि: अनुकूल रहने का संकेत मिल रहा है. लव लाइफ को खूबसूरत बनाने की कोशिश करेंगे और पार्टनर के लिए कोई अच्छी ड्रेस ला सकते हैं, जिससे रिश्ता मजबूत होगा. गृहस्थ जीवन में गलतफहमियां दूर होंगी और नजदीकियां बढ़ेंगी,पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा.

मकर राशि : अच्छा रहने वाला है. मित्रों से अनबन की स्थिति बन सकती है, इसलिए क्रोध और स्वयं पर नियंत्रण रखें, मामले को आगे बढ़ाने से नुकसान होगा. किसी बात को लेकर मन में दुविधा रहेगी, उसके समाधान के लिए किसी करीबी से चर्चा कर सकते हैं. आपके सामाजिक कार्यों से परिवार का सम्मान बढ़ेगा.

कुंभ राशि: अच्छा रहेगा, लेकिन सर्द मौसम की वजह से स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे. पेट दर्द, एसिडिटी और ऐंठन भी परेशान कर सकते हैं, सेहत का ध्यान रखें और पर्याप्त नींद लेने की कोशिश करें. पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा. व्यापार में अधिक प्रयास से सफलता मिलेगी. गृहस्थ जीवन प्यार भरा रहेगा और

मीन राशि : बेहद अनुकूल रहने वाला है और आपको चिंताओं से मुक्ति मिलेगी. आप में जबरदस्त आत्मविश्वास रहेगा, जो कुछ नया करने की प्रेरणा देगा. नौकरी पेशा जातकों के प्रभाव में वृद्धि होगी. आज आप भविष्य के लिए किसी नई योजना में निवेश कर सकते हैं. लव लाइफ वालों को पार्टनर से झगड़ने से बचना होगा क्योंकि ऐसा करने से रिश्ते में दरार आ सकती है. काम के सिलसिले में दिन अनुकूल रहेगा

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सांस्कृतिक संदेश देने वाली सैन्य कार्रवाई, ऑपरेशन सिंदूर शांति के उल्लंघन के विरुद्ध एक सांस्कृतिक

ऑपरेशन सिंदूर भारत के विकासशील राष्ट्रीय सिद्धांत की एक प्रमुख घटना है। यह भारत के उस स्वरूप को दशार्ता है जहां ताकत और धर्म का सामंजस्य है। इस दौरान 140 करोड़ भारतीयों ने क्षेत्र धर्म जाति वर्ग की सीमाओं को पार करते हुए इस बात पर सहमति जताई कि आतंक के विरुद्ध भारत एकजुट है।

ऑपरेशन सिंदूर केवल आतंक के विरुद्ध भारत की एक प्रतिक्रिया भर नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की पुनः उद्घोषणा है। यह एक ऐसा क्षण है, जिसमें धर्म के मार्ग पर चलकर राष्ट्र की अस्मिता और सम्मान की रक्षा सुनिश्चित हुई है। हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी राष्ट्र को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को भारत की रणनीतिक और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, अपितु भारत की सुरक्षा नीति, नैतिक दृढ़ता और सांस्कृतिक चेतना का एक सशक्त प्रदर्शन था। उनका यह संदेश स्पष्ट है कि अब भारत न तो पुरानी नीतियों से बंधा रहेगा, न ही आतंक को सहन करेगा। यह भारत की विदेश और रक्षा नीति में बुद्ध से प्रेरित, दृढ़ निश्चय से संचालित और पूरी सटीकता के साथ लागू किया गया एक नया अध्याय है।सिंदूर शब्द भारत की सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। यह मातृत्व, समर्पण और जीवन-दायिनी शक्ति का प्रतीक है। इस ऑपरेशन को यह नाम देना एवं सुरक्षा बल के दो मातृशक्तियों की प्रेसवार्ता में उपस्थिति यह स्पष्ट संदेश था कि भारत का सम्मान और अस्मिता सर्वोपरि है। ऑपरेशन के दौरान भारत ने सिर्फ आतंकी ठिकानों और सैन्य संसाधनों को ही निशाना बनाया, आमजन को हानि नहीं पहुंचाई। यह गीता की उस शिक्षा का पालन था जिसमें कहा गया है कि युद्ध तभी उचित है जब धर्म संकट में हो, और तब भी केवल अधर्मी के विरुद्ध हो, निर्दोष के नहीं। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उसकी सैन्य शक्ति प्रतिशोध से नहीं, अपितु विवेक और नैतिकता से संचालित होती है।भारत न युद्ध में विश्वास करता है, न कायरता में, बल्कि बुद्ध के बताए शांति और धर्म के मार्ग में इसकी आस्था है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने एक ऐसा सुरक्षा ढांचा विकसित कर लिया है, जो त्वरित, संतुलित एवं विध्वंसात्मक प्रतिक्रिया दे सकता है। यह एक मानसिक और सामरिक बदलाव का संकेत है। अब हमारी नीति यह है-देश के दुश्मनों के प्रति शून्य सहिष्णुता और त्वरित प्रतिक्रिया। भारत अब सिर्फ घटनाओं की प्रतीक्षा नहीं करता, वह सक्रियता से आगे बढ़ता है। यह नीति अब भारत के वैश्विक संबंधों को भी आकार दे रही है। जो राष्ट्र स्पष्ट सोच, नैतिक नेतृत्व और संतुलित शक्ति के उदाहरण खोज रहे हैं, उनके लिए भारत अब एक आदर्श बन रहा है। भारत का यह दृष्टिकोण न तो विस्तारवादी है, न ही झुकने वाला-यह एक आत्मविश्वासी, सांस्कृतिक और सैद्धांतिक शक्ति का उद्घोष है।आतंकवाद के विरुद्ध भारत की यह कार्रवाई सिर्फ भू-राजनीतिक नहीं थी, वरन उसके गहरे दार्शनिक और आध्यात्मिक सिद्धांतों से जुड़ी थी। भारतीय संस्कृति संघर्ष को धर्म के संदर्भ में देखती है, न कि क्रोध या हिंसा के। गीता का प्रसिद्ध श्लोक है-यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत...। अर्थात श्रीकृष्ण कहते हैं कि जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं प्रकट होता हूं। यह दशार्ता है कि कब किसी संस्कृति को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए है। इसी तरह गुरु गोबिंद सिंह जी ने कहा था कि जब सभी उपाय समाप्त हो जाएं, तब तलवार उठाना उचित है। यह भारत की नैतिक चेतना में गहराई से पिरोया हुआ है। यह युद्ध के लिए उकसावा नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध नैतिक आधार है। इस दृष्टि से ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्यकदम नहीं, बल्कि शांति के उल्लंघन के विरुद्ध एक सांस्कृतिक प्रतिक्रिया है।ऑपरेशन सिंदूर भारत के विकासशील राष्ट्रीय सिद्धांत की एक प्रमुख घटना है। यह भारत के उस स्वरूप को दशार्ता है जहां ताकत और धर्म का सामंजस्य है। इस दौरान 140 करोड़ भारतीयों ने क्षेत्र, धर्म, जाति, वर्ग की सीमाओं को पार करते हुए इस बात पर सहमति जताई कि आतंक के विरुद्ध भारत एकजुट है। आज गांवों से लेकर शहरों तक, विद्यार्थियों से लेकर सैनिकों तक, एक नया आत्मविश्वास जाग उठा है। न अंधराष्ट्रवाद में डूबा, न डर में सहमा, अपितु आत्मगौरव से भरा हुआ भारत सबके सामने खड़ा है। यह एक ऐसी सभ्यता का प्रतीक है, जो अब अपने भविष्य को स्वयं गढ़ने को तैयार है। जहां दुनिया आज सिर्फ लेन-देन और स्वार्थ की राजनीति में उलझी है, वहीं भारत एक ऐसा राष्ट्र बनकर उभर रहा है, जो जीवन-मूल्यों, सामर्थ, साहस और परंपरा पर खड़ा है। भारत अब केवल जवाब नहीं देता, बल्कि वह पहले से खतरे को पहचानता है, गरिमा से उसका सामना करता है और वैश्विक संवाद के नियमों को पुनः परिभाषित कर रहा है। इसका संदेश बिल्कुल स्पष्ट है-भारत अब परमाणु युद्ध की धमकियों या अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है।कुल मिलाकर ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सुरक्षा अभियान नहीं, बल्कि भारत की सनातन चेतना की पुनर्व्याख्या है। यह एक ऐसे भारत का उदय है, जो नैतिक दृष्टि से अडिग, रणनीतिक रूप से सक्षम और संकल्प में अचल है। यह सिर्फ नया भारत नहीं है, बल्कि यह विवेकशील भारत है, जो धर्म और नैतिकता पर आधारित, जीवन के सभी पहलुओं पर सामर्थ अर्जित कर रहा है, अपने उद्देश्य में स्पष्ट और कर्तव्य में निडर है।

ऑपरेशन सिंदूर का रौद्र रूप

संजीव ठाकुर

आज पाकिस्तान के तथाकथित फील्ड मार्शल और पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के पाकिस्तान आर्मी के मास्टरमाइंड जनरल असीम मुनीर ने आतंकवादियों को भेज कर 26 भारतीय पुरुषों की उनकी पत्नियों के सामने धर्म पूछ कर निर्मम हत्या करने के बाद कल्पना भी नहीं की थी कि भारत में सिंदूर का कितना बड़ा महत्व है और भारत इसका बदला भयानक एवं इतने बृहद रूप में लेगा। भारत में सिंदूर का मतलब शक्ति शौर्य और मंगलमय जीवन का प्रतीक होता है। ऑपरेशन सिंदूर के तीव्र आक्रमण से वहां की फौज प्रशासन और आवाम बम के गोलों से थर-थर कांप उठी है।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान को सिंदूर के महत्व को अच्छे से समझा दिया है और भारतीय महिलाओं के शौर्य,शक्ति के प्रतीक ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत के जवाबी हमले ने पाकिस्तान के 9 एयरबेस की तबाही और लगभग 100 मृत दुर्दांत आतंकवादियों के साथ पूरे पाकिस्तान को यह बात बहुत अच्छे से याद दिला दी है की भारत को छेड़ोगे तो भारत छोड़ेगा नहीं। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत भारत के पाकिस्तान के अंदर घुसकर जो ताबड़तोड़ हमले कर कार्रवाई की है उसके बाद भारत की छवि विश्व में एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है। अब भारत से कई देश से अस्त्र-शस्त्र की खरीदी के लिए कतार में खड़े होते दिखाई दिए हैं । भारत ने जिस तरह ब्रह्मोस मिसाइल और 2400 से चीनी तथा टर्किए के 500 से ज्यादा ड्रोन तथा मिसाइल को हवा में ही ध्वस्त किया है वह अपने आप में एक वैश्विक मिसाल है। भारत ने कूटनीतिक पहलकर पाकिस्तान की आतंकवादी छवि को स्पष्ट करने के लिए लगभग 50 से ज्यादा सांसदों को विभिन्न देशों में भेज कर पारदर्शिता का एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है भारत विश्व में अब एक बड़ी राजनीतिक,आर्थिक तथा सामरिक शक्ति बन कर उभरा है भारत में वर्तमान में अपनी वैश्विक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुगुना किया है विदेशों में भारत की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ है। भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाने के लिए कूटनीति आर्थिक व्यापारिक समझौते तथा पाकिस्तान को युद्ध में बुरी तरह परास्त करने के बाद एक बड़ी सामरिक शक्ति बनकर उभरने के अलावा इस समय बहुत बड़ा योगदान भारत के हर क्षेत्र के डिजिटलाइजेशन का भी ज्यादा रहा है भारत में डिजिटलाइजेशन के नए आयामों को छुआ है और विश्व में इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है इसमें दो मत नही कि वर्तमान के प्रधानमंत्री का बड़ा योगदान और ऊजार्वान,दमदार वैश्विक नेता के रूप में भूमिका रही है । पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति में खुलापन तथा विदेशी निवेशकों को भारत में आमंत्रित किया है उससे इसमें बड़े परिवर्तन की संभावनाओं इजाफा किया है भारत विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है कई वर्षों से ब्रिटिश उपनिवेश में रहने और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गरीबी, भुखमरी ,बेरोजगारी जैसे बड़े रुकावटी कारकों का से जिस तरह डटकर मुकाबला कर उस से निजात पाने का प्रयास किया है वह अत्यंत उल्लेखनीय है। कोरोना कल में भारत ने अभूतपूर्व तरीके से स्वदेशी दवाइयां का एवं अन्य उपकरणों का निर्माण कर करके एक रिकॉर्ड भी बनाया है और इस पहल के परिणाम स्वरूप भारत में करोन पर प्रभावी नियंत्रण पानी में सफलता पाई थी। इसके अलावा भारत में ऐसे संक्रमण काल में स्वदेशी निर्मित मेडिकल इंजेक्शन दवाईयां तथा उपकरणों को भी विदेशी देशों को मदद पहुंचाई थी। स्वतंत्रता मिलने के पश्चात भारत में नियोजन की नीति अपनाई तथा वर्ष 1951 में प्रारंभ पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत सभी चुनौतियों का सामना करते हुए सराहनीय प्रगति की है वर्ष 1951 से लेकर अब तक 12 पंचवर्षीय योजनाएं क्रियान्वित की जा चुकी है वर्ष 2015 में राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान की स्थापना की गई जो भारत को वैश्विक स्तर पर महाशक्ति बनाने की दिशा में सहयोग कर रहा है वैश्विक स्तर पर भारत की खेती 1990 के पश्चात निरंतर बढ़ रही है इस दिशा में 1990 के दशक में भारत सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली उदारीकरण निजीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति का महत्वपूर्ण योगदान भी माना जा रहा है उक्त समय में भारत की दशा अत्यंत दयनीय थी इसके अतिरिक्त मुद्रास्फीति बेरोजगारी जैसी स्थित ने विकराल रूप धारण कर लिया था, किंतु विकास की नीति को अपनाने के पश्चात से भारत ने इन परिस्थितियों से निपटने के साथ ही आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या के उपयोग कर विश्व पटल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है भारत की विशाल जनसंख्या को आर्थिक सफलता के मजबूत स्तंभ कहा जा सकता है। भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या का उपयोग कर उत्पादन को कई गुना बढ़ाया है आज की स्थिति में भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखा जा सकता है और इसे तथाकथित भावी विश्व शक्ति चीन का सबसे ताकतवर प्रतिनिधि तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का भावी सदस्य के रूप में भी देखा जा रहा है भारत में समय के अनुसार अपनी नीतियों तथा विकास के प्रति मानको में परिवर्तन कर निरंतर आर्थिक विकास की दर को प्राप्त करते हुए अधिकांश विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की है वास्तव में वर्तमान समय में भारत के ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जिससे विश्व के सभी देश किसी न किसी रूप से जुड़कर प्रभावित भी हुए हैं 1974 उल्लेखनीय रहा है क्योंकि भारत ने पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण किया गया इसका विरोध विश्व के तमाम विकसित देशों ने बहुत जोरदार ढंग से किया भारत को काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा था वर्ष 2008 में हमारे देश और अमेरिका रूस फ्रांस ब्रिटेन तथा चीन को छोड़कर पी5 के सभी सदस्य देशों के मध्य हुए असैन्य परमाणु समझौता से यह स्पष्ट हो गया था कि अब वैश्विक पटल पर भारत की अनदेखी नहीं की जा सकती है 2009 में भारत के प्रधानमंत्री का अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यालय में राजकीय अतिथि के रूप में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री का स्वागत करके कहा कि भारत अब एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बन चुका है। यह भारत के छठे परमाणु संपन्न राष्ट्र के तौर पर मिली औपचारिक मान्यता ही थी

स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए साइकिल चलाना कभी ना छोड़े

यह तो आप सभी को मालूम ही है की साइकिलआमतौर पर आज दिखाई देने वाले वाहनों से भी बहुत पहले का एक सर्व सुलभ और सस्ता वाहन रहा है। यही वजह है कि इसकी उपयोगिता को देखते हुए विश्व साइकिल दिवस हर साल 3 जून को मनाया जाने लगा है। यह दिवस साइकिल चलाने के लाभों को बढ़ावा देने और लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ही मनाया जाता है सर्वप्रथम संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2018 में 3 जून को विश्व साइकिल दिवस के रूप में घोषित किया था। यह निर्णय साइकिल चलाने के लाभों को बढ़ावा देने और लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए लिया गया था। विश्व साइकिल दिवस के उद्देश्य 1.साइकिल चलाने के लाभों को बढ़ावा देना।विश्व साइकिल दिवस का उद्देश्य साइकिल चलाने के लाभों को बढ़ावा देना है, जैसे कि व्यायाम, पर्यावरण संरक्षण, और आर्थिक लाभ।2. लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करना। विश्व साइकिल दिवस का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करना है, खासकर उन लोगों को जो साइकिल चलाने के लिए नए हैं।3. साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा देना। विश्व साइकिल दिवस का उद्देश्य साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा देना है, जिससे लोग साइकिल चलाने को एक स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल विकल्प के रूप में देखें। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हम सामूहिक रूप से साइकिल रैली आयोजित करें और विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली आयोजित करें और लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करें।साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करें। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें साइकिल चलाने के लाभों के बारे में बताएं।साइकिल संबंधी कार्यक्रम आयोजित करें। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल संबंधी कार्यक्रम आयोजित करें, जैसे कि साइकिल प्रदर्शनी, साइकिल चलाने की प्रतियोगिता, आदि कार्यक्रमों के आयोजन से लोगों का रुझान साइकिल जैसे वाहन की और निश्चित ही बढ़ेगा, और साइकिल का उपयोग करने में सब की रुचि जागेगी। यह कार्य निश्चित ही पर्यावरण और स्वास्थ्य के सुधार में एक महत्व कदम साबित होगा।तो चले आज से ही ऐसा ठान लें कि हमें कम से कम स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए एक घंटे दो घंटे ही सही साइकिल चलाने का कार्य शुरू करना है।आमतौर पर देखा जाए तो साइकिल बहुत ही उपयोगी और मितव्ययी वाहन है। आजकल लोगों को जल्दबाजी और रफ्तार का ऐसा जुनून चर्याय हुआ है कि लोगों ने इस स्वास्थ्यवर्धक और कम खर्च वाले वाहन की तरफ ध्यान देना बिलकुल छोड़ दिया है।

फलतः अब लोग साइकिल चलाते हुए कम ही दिखते हैं। साइकिल को अब पिछड़े और पुराने जमाने की चीज समझा जाने लगा है। यह सोच ही नासमझी से भरा जान पड़ता है। गांव हो या शहर अब साइकिल चालक बहुत कम दिखाई देते हैं, जिसे भी देखो वह फरार्टेदार बाईक, स्कूटी,अन्य पेट्रोल चालित या इलेक्ट्रिक वाहनों में ही आना-जाना पसंद करने लगे हैं।इस वाहन को नजर अंदाज करना लोगों को अब भारी भी पडने लगा है।

इसके कई दुष्परिणाम सामने नजर आने लग गए हैं, जैसे स्वास्थ्य का बिगड़ना, पर्यावरण का बिगाड़ और खर्चों में बढ़ोतरी। यह प्रारंभिक और चिंतनीय भी कारण है। जिस पर विचार करना अत्यंत आवश्यक है। यह तो सर्वविदित तथ्य है की साइकिल एक बहुत ही उपयोगी और पर्यावरण अनुकूल वाहन है। इसकी उपयोगिता कितने ही मायनों में आपको दिखाई दे जाएगी

युवक की मौत पर हंगामा

फोन कॉल पर घर से निकला, ढाबे के पास मिला शव; परिजनों ने किया सड़क जाम

भारत संवाद

प्रयागराज, एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने जुआरियों के द्वारा हत्या करने का आरोप लगाया है। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तार की मांग को लेकर सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। परिजनों के अनुसार मृतक नीरज गुप्ता फोन कॉल आने के बाद घर से निकला था। वह लथपथ स्थिति में बाबा ढाबा के पास घायल मिला। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने घूरपुर पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज न करने और जांच में देरी के विरोध में परिजनों ने मंगलवार को कर्नलगंज थाने के पास शव रखकर सड़क जाम कर दिया। मृतक के जीजा के अनुसार, नीरज जुआ खेलता था और उसकी कुछ लोगों से पुरानी रंजिश थी। परिजनों को आशंका है कि इसी रंजिश में उसकी हत्या की गई है। एसीपी कर्नलगंज ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। उन्होंने निष्पक्ष जांच और शीघ्र एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों ने जाम समाप्त कर दिया।

शिक्षक भर्ती के लिए अभ्यर्थियों का धरना जारी

यूपीईएससीबी अध्यक्ष ने मांगा 15 दिन का समय, नोटिफिकेशन की मांग पर अड़े प्रदर्शनकारी

भारत संवाद

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के एलनगंज स्थित कार्यालय के बाहर डीएलएड-बीएड-टीईटी अभ्यर्थियों का धरना सातवें दिन भी जारी है। अभ्यर्थी पिछले 7 साल से रुकी शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन जारी करने की मांग कर रहे हैं। 26 मई से चल रहे इस धरने में गोरखपुर से आए प्रमोद मौर्य जैसे कई अभ्यर्थी शामिल हैं। प्रमोद ने 2019 में डीएलएड और 2021 में टीईटी पास किया। वे गरीब परिवार से हैं और गेहूं बेचकर धरने में शामिल हुए हैं। 21 मई 2025 को यूपी सरकार ने सोशल मीडिया पर 1.93 लाख शिक्षकों की भर्ती की

घोषणा की थी। भर्ती तीन चरणों में होनी थी और हर चरण में 65 हजार पद भरे जाने थे। लेकिन कुछ घंटों बाद ही यह पोस्ट हटा ली गई। सरकार की तरफ से कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला। आंदोलनकारी नेता उदय सिंह ने कहा कि यह आर-पार की लड़ाई है। अभ्यर्थी बिना भर्ती नोटिफिकेशन के धरना स्थल नहीं छोड़ेंगे। पिछले कई वर्षों में यह आंदोलन 30 से अधिक बार अलग-अलग स्थानों पर किया जा चुका है।

यूपीईएससीबी के अध्यक्ष कीर्ति पाण्डेय ने धरनास्थल पर पहुंचकर अभ्यर्थियों से बात की और 15 दिन का समय मांगा।

हालांकि अभ्यर्थियों का कहना है कि वे अब सिर्फ नोटिफिकेशन चाहते हैं, आश्वासन नहीं।

फास्ट ट्रैक

56 लाख रुपए की लागत से घंटाघर के नवीनीकरण सौंदर्यकरण कार्य का लोकार्पण कल महापौर गणेश केसरवानी करेंगे

नगर निगम द्वारा ऐतिहासिक चौक घंटाघर के नवीनीकरण एवं सौंदर्यकरण कार्य का लोकार्पण महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी द्वारा दिनांक 04/06/25 को शाम 5:00 बजे जी के कर कमलो द्वारा संपन्न होगा आप सभी क्षेत्रवासी व्यापारी भाई गढ़ की उपस्थिति प्रार्थनीय है ।यह कार्य 56 लाख रुपए की लागत से पूर्ण हुआ ।

थाना चुनार पुलिस द्वारा 01 किलो 600 ग्राम अवैध गांजा के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 03.05.2025 को उप-निरीक्षक वशिष्ठ नारायण यादव व उप निरीक्षक सरोज कुमार चौबे मय पुलिस टीम क्षेत्र की देखभाल व गश्त/चेकिंग में मामूर थे कि इस दौरान थाना चुनार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पचरावा से 02 नफर अभियुक्तगण 1. मटरू तिवारी पुत्र स्व0 शशिकान्त तिवारी निवासी ग्राम पचराव थाना चुनार जनपद मीरजापुर के कब्जे से 950 ग्राम अवैध गाँजा व 2. सुरेश कुमार सेठ पुत्र श्रीनाथ सेठ निवासी पचराव थाना चुनार जनपद मीरजापुर के कब्जे से 650 ग्राम अवैध गाँजा (कुल 01 किलो 600 ग्राम गांजा) के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चुनार पर मु0अ0सं0-261/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने व अभद्र टिप्पणी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सोशल मीडिया प्लेट्फार्म पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने व अभद्र टिप्पणी प्रसारित कर आम जनमानस की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, सामप्रदायिकता एवं अराजकता फैलाने के सम्बन्ध में थाना सन्तनगर पर मु0अ0सं0-61/2025 धारा 299,196 बीएनएस व 67 आई.टी. एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रचलित की गई । वरिष्ठपुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा उक्त प्रकरण को गंभीरता पूर्वक लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थाना प्रभारी सन्तनगर को सम्बन्धित अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 02.05.2025 को अरविन्द सरोज प्रभारी निरीक्षक थाना ड्रमण्डगंज व थाना सन्तनगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही एवं इलेक्ट्रानिक साक्ष्य संकलित करते हुए मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त सोनू अली पुत्र जानमोहम्मद निवासी मलुआ थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना हलिया पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठपुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना हलिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-97/2025 धारा 3(1)उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप(निवारण) अधिनियम में बड़ी कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः 03.06.2025 को प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर गैंगेस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त उदल यादव पुत्र सुकुल यादव निवासी उदित पुर सुर्रा थाना नैगढ़ जनपद चन्दौली को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

मिर्जापुर, बाराबंकी और झांसी में तीन नए सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएँगे

बाराबंकी में सब्जी और फूलों के लिए, मिर्जापुर में ड्रैगन फ्रूट एवं खजूर के लिए और झांसी में सिट्रस फलों के लिए होंगे स्थापित एक्सीलेंस

- केन्द्र किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण और उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन करायेंगे
- केन्द्रों का उद्देश्य किसानों की उत्पादकता और आय में वृद्धि करना : मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह

भारत संवाद

लखनऊ : प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास 19, गौतमपल्ली, लखनऊ पर आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि भारत सरकार द्वारा प्रदेश के तीन जनपदों मिजार्पुर, बाराबंकी और झांसी में नये सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना स्वीकृत की गई है। इन केन्द्रों द्वारा ड्रैगन फ्रूट, खजूर, सिट्रस फ्रूट (नींबू, लेमन, किन्नो, मौसमी आदि) और फूल-सब्जी के क्षेत्र में किसानों को गुणवत्तायुक्त पौध उत्पादन के साथ ही नवीन प्रजातियों एवं विधाओं का प्रशिक्षण एवं उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन उपलब्ध कराया जायेगा।मंत्री श्री सिंह ने बताया कि जनपद बाराबंकी के ग्राम सोनीकपुर, विकासखण्ड त्रिवेदीगंज, तहसील हैदरगढ़ में इण्डो-डच सहयोग से सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल एंड फ्लावर की स्थापना की जाएगी। इस केन्द्र के लिए पहली बार नीदरलैण्ड/डच सरकार को सहयोगी पार्टनर बनाया गया है, जिसके विशेषज्ञ पूर्व में स्थल का भ्रमण कर चुके हैं।इसी प्रकार जनपद मिजार्पुर के ग्राम देवरी कला, तहसील मरिहन स्थित राजकीय प्रक्षेत्र पर ड्रैगन फ्रूट एवं खजूर के लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी। इस केन्द्र के लिए तकनीकी सहयोग भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु और कृषि विश्वविद्यालय, कोटा (राजस्थान) द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार जनपद झांसी में बरुआसागर स्थित औद्यानिक एवं प्रशिक्षण केन्द्र पर सिट्रस वर्गीय फलों हेतु सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी। इस केन्द्र को इण्डो-इजराइल परियोजना के अंतर्गत इजराइली विशेषज्ञों का तकनीकी सहयोग प्राप्त होगा।

प्रयागराज मण्डल में पर्यावरण संरक्षण के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप की अहम भूमिका

भारत संवाद

रेलवे द्वारा यात्रियों के लिए उपलब्ध करायी गयी यूटीएस मोबाइल ऐप से ऑनलाइन अनारक्षित टिकट की सुविधा अब यात्रियों के बीच में लोकप्रिय हो गई है । प्रयागराज मण्डल में पर्यावरण संरक्षण एवं पेपरलेस टिकट के लिए चलाए गए जागरूकता अभियान के परिणामस्वरूप चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में यूटीएस ऐप से 1.73 लाख टिकटों से लगभग 6.20 लाख यात्रियों ने यात्रा की । पेपरलेसस टिकट से हजारों वृक्षों को कटने से बचाया जा रहा है जिससे पर्यावरण संरक्षण अभियान सफल हो रहा है । स्टेशनों पर लंबी लाइन से बचने के लिए रेलवे द्वारा यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप सर्विस शुरू की गई। प्रयागराज मण्डल के सभी स्टेशनों पर ऑनलाइन अनारक्षित टिकट के लिए यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा दी जा रही है। यात्रियों के बीच इस एप्प की लोकप्रियता बढ़ने के साथ-साथ अनारक्षित टिकट लेने के आंकड़ों में भी काफी वृद्धि हुई है ।वित्तीय वर्ष 2024-25 यूटीएस ऐप से 8.62 लाख टिकटों से लगभग 34.52 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जिससे रेलवे को 9.52 करोड़ 51 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ ।यह ऐप एंड्रॉयड एवं आईओएस दोनों ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है यानि इस ऐप का उपयोग एंड्रॉयड एवं आईओएस आधारित मोबाइल पर किया जा सकता है।इसका उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ता को पहले यह एप्प प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से डाउनलोड करना होगा, डाउनलोड करने के पश्चात इसमें उपयोगकर्ता को अपना पंजीकरण करना होगा पंजीकरण के लिए उपयोगकर्ता को मोबाइल नंबर, नाम, पासवर्ड, जेंडर, जन्मतिथि एवं पहचान पत्र इत्यादि की आवश्यकता होगी। पंजीकरण के पश्चात उपयोगकर्ता इस एप्प के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक कर सकते हैं।इस ऐप से यात्रा टिकट, प्लेटफार्म टिकट, मासिक, त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक एवं वार्षिक सीजन टिकट बनाए जा सकते हैं एवं इन सीजन टिकटों का नवीनीकरण भी किया जा सकता है। यह ऐप जियोफेंसिंग आधारित एप्प है अतः टिकट बुकिंग के लिए ट्रैक एवं स्टेशन परिसर से लगभग 20-50 मीटर की दूरी से ही टिकट बुक करें। इससे सम्बंधित अधिक जानकारी वेबसाइट www. utsonmobile. indianrail. gov.in। से प्राप्त की जा सकती है ।यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से टिकट बुक करने से यात्रियों को प्रोत्साहन एवं सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा मिल रहा है और साथ ही यात्रियों को काउंटर टिकट की लाइन में लगने से निजात मिल रही है। इस ऐप पर किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 से संपर्क कर सकते हैं ।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा चौथे बड़े मंगल पर हजरतगंज में कराया गया भंडारा

- प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना कर भक्तजनों को बांटा प्रसाद
- बडे मंगल पर लखनऊ मे आयोजित कई भण्डारो मे उप मुख्यमंत्री ने किया प्रतिभाग

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा आज हजरतगंज दक्षिणमुखी हनुमान जी के मंदिर में ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल के पावन अवसर पर भंडारा आयोजित कर प्रसाद वितरण किया गया।उन्होने दक्षिणमुखी हनुमान मन्दिर मे हनुमान जी का दर्शन किया व पूजा अर्चना की इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। श्री मौर्य ने कहा कि हनुमान जी की पूजा के लिए समर्पित बड़े मंगल का दिन उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से राजधानी लखनऊ में विशिष्ट धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। बड़ा मंगल उत्तर भारतीय लोक आस्था का एक महत्वपूर्ण पर्व है। लखनऊ की धरती पर यह पर्व सामाजिक समरसता, सहयोग और श्रद्धा का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि हनुमान जी समाज को शक्ति, भक्ति और सेवा का संदेश देते हैं। हम सब एक-दूसरे की मदद करेंगे, तभी सच्चे अर्थों में धर्म की विजय होगी और मानवता का कल्याण होगा। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने श्री कपिल देव अग्रवाल राज्यमन्त्री (स्वतन्त्र प्रभार) के लखनऊ आवास पर आयोजित भण्डारे मे प्रतिभाग किया। उप मुख्यमंत्री ने आम्रपाली स्वीट्स सीतापुर बाईपास चौराहा हरदोई रोड दुबग्गा मे आयोजित विशाल भण्डारे मे भी भाग लिया।उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने भागीदारी भवन गोमतीनगर मे विकसित भारत का अमृत काल और सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल विषयक प्रदेश स्तरीय कार्यशाला मे प्रतिभाग कर कार्यशाला को सम्बोधित भी किया।

साइकिल दिवस पर साइकिल रैली का आयोजन

भारत संवाद

लखनऊ।आज सुबह विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया जिसमें करीब 80 साइकिलिस्टों ने मुंशी पुलिया से पॉलीटेक्निक चौराहा , 1090 चौराहा, आंबेडकर पार्क होते हुए जनेश्वर मिश्र पार्क तक साइकिल रैली निकाली। रैली का उद्देश्य दैनिक जीवन में साइकिल का प्रयोग को बढ़ावा देना तथा बेहतर स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए साइकिल की भूमिका का प्रचार करना था। रैली के आयोजकcyclopediaतथा लखनऊ साइक्लिंग स्टार्स की ओर से सभी प्रतिभागियों को एक टी शर्ट तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।इस अवसर पर एक पहल मुस्कुराहट की संस्थापक डॉ॰ अंजू वार्ष्णेय द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिल चलाकर साइकिल से सेहत के लाभ एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिल प्रयोग का संदेश जनमानस को दिया गयारैली का समापन चायवाला.कॉम पर हुआ जहां पर विशिष्ट साइकिलिस्टों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंच संचालक विवेक प्रकाश सिंह के साथ श्री अशोक कुमार, विशाल शर्मा, श्री संदीप श्रीवास्तव, पी सी सिंह, आर पी गुप्ता, कन्हैया जी दीक्षित, रिटायर्ड कर्नल शरद शुक्ला, नईम अंसारी, आनंद स्वरूप , राज स्मृति, आशीष, सुजाता, चंद्र भूषण अग्रवाल, देवनाथ, ओंकार, डॉ प्रहलाद, भोजपुरी कवि कृष्णानंद राय के साथ अनेकों साइक्लिस्ट उपस्थित रहे। विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

प्रयागराज मण्डल द्वारा जल निकायों को स्वच्छ और सुदृढ़ीकरण के लिए अभियान

भारत संवाद

प्रयागराज ,मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के मार्गदर्शन में प्रयागराज मंडल में दिनांक 22 मई, 2025 से 5 जून, 2025 तक एंड प्लास्टिक पॉल्यूशन (प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करें) थीम पर विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा मनाया जा रहा है। यह पहल पर्यावरण अनुकूल उत्पादों, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त रेलवे परिसरों के निर्माण की दिशा में एक परिवर्तनकारी अभियान है ।आज दिनांक 03.06.2025 को विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत वर्षा जल संचयन एवं जल पुनर्चक्रण के लिए स्टेशन एवं कालोनियों में लोगों को जागरूक किया गया । रेलवे परिसर के आस-पास जल निकायों को साफ करके उनका सुदृढ़ीकरण किया गया । रेलवे कालोनियों में बच्चों को जागरूक करने के लिए उन्हें प्लास्टिक और जल प्रदूषण से होने वाले नुकसान के विषय में बताया गया । रेलवे परिसर के पास जल निकायों को साफ करने के लिए मानिकपुर, विंध्याचल, प्रयागराज छिवकी, प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, फतेहपुर टूंडला जंक्शन, अलीगढ़ जंक्शन, कानपुर स्टेशन एवं स्टेशन पर अभियान चलाया गया । प्रयागराज मण्डल में आज सभी प्रमुख स्टेशनों के आसपास पार्कों के रखरखाव, रेलवे कॉलोनियों में हरियाली और पार्कों/उद्यानों का उचित रखरखाव, अपशिष्ट प्रबंधन और शौचालय का निरीक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया । इसके अतिरिक्त कॉलोनियों, रेलवे स्टेशनों, पटरियों और आस-पास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया ।

संकल्प

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज का जन्मदिवस बना पर्यावरण प्रेरणा पर्व

वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भारत सरकार, श्री भूपेंद्र सिंह यादव जी परमार्थ निकेतन में आगमन

भारत संवाद

- भारत सहित विश्व के अनेक देशों से अनुयायियों ने स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के जन्मदिवस पर भेजे संदेश और पर्यावरण को समर्पित संकल्प
- पहलगाम हमले के पीड़ितों को समर्पित सादगीपूर्ण जन्मदिवस आपरेशन सिंदूर की स्मृति में पांच पवित्र स्थानों और पांच प्रदेशों में किया जायेगा ऑपरेशन सिंदूर पंचवटी वाटिकाओं का निर्माण

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज के जन्मदिवस के अवसर पर भारत सहित विश्व के अनेक देशों से उनके अनुयायियों, संतों, श्रद्धालुओं और पर्यावरण प्रेमियों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं श्रद्धा-संदेश प्रेषित किये।

पूज्य स्वामी जी के आह्वान पर देश-विदेश के अनेकों श्रद्धालुओं ने अपने-अपने स्थानों पर पौधारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, और जैविक खेती जैसे संकल्प लिये। अनेक देशों से डिजिटल माध्यम से शुभकामनाएं प्राप्त हुईं और अनेकों ने स्थानीय स्तर पर पर्यावरणीय गतिविधियों का आयोजन किया।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के शहीदों और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अपने जन्मदिवस को अत्यंत सादगी एवं संयम के साथ मनाया।

पूज्य स्वामी जी ने ऑपरेशन सिंदूर की स्मृति में देशभर के पांच पवित्र स्थलों अयोध्या, प्रयागराज, उत्तरकाशी, नीलकंठ, ऋषिकेश, कन्वआश्रम कोटद्वार और यमुना जी के घाट दिल्ली और पांच प्रदेश उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में ऑपरेशन सिंदूर पंचवटी वाटिकाएं निर्माण करने की घोषणा की, जो न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सशक्त पहल है, साथ ही यह मातृभूमि के प्रति प्रेम और समर्पण का भी प्रतीक है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि आज केवल इतना ही कहना चाहता हूँ कि हम सबको मिलकर एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य की भावना के साथ आगे बढ़ना होगा। ऑपरेशन सिंदूर पंचवटी वाटिकाएं हमारी मातृभूमि और राष्ट्रभक्ति की जीवंत स्मृति होगी।

साध्वी भगवती सरस्वती जी ने पूज्य स्वामी जी के जन्मदिवस को पर्यावरण प्रेरणा पर्व के रूप में मनाने का संदेश देते हुये कहा, ह्लपूज्य स्वामी जी का जीवन सेवा, समर्पण और पर्यावरण संरक्षण की मिसाल है। वे मानते हैं कि जन्मदिवस केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, सेवा और समाजहित के संकल्पों का पर्व होना चाहिए। यह दिन पर्यावरण के प्रति नई चेतना जगाने का पर्व है और उनका जीवन, हर सांस व प्रत्येक क्षण हम सभी के लिये प्रेरणा है।

इस पावन अवसर पर भारत सरकार के वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह यादव जी का परमार्थ निकेतन आगमन हुआ। उन्होंने पूज्य स्वामी जी महाराज को उनके दिव्य अवतरण दिवस की शुभकामनायें अर्पित करते हुये कहा कि पूज्य स्वामी जी प्रतिदिन गंगा आरती में सनातन के बारे में, महाभारत व भारत के बारे में, पर्यावरण के बारे में, युवाओं को दिशा देने के बारे में और श्रीराम जी के बारे में जो अनेकों उद्बोधन दिये वह सनातन के प्रकाश को फैलाने वाले उद्बोधन उनकी उस पुस्तिका में हैं। अभी साध्वी जी ने बताया कि पूज्य स्वामी जी ने तीन बातें उन्हें कहीं - सेवा, हमेशा ईश्वर को अपने पास रखना और खुश रहना। स्वामी जी ने योग का अद्भुत प्रचार व विस्तार किया हैं और योग के जो आठ सोपान है उसका अपने जीवन में सदैव ही अनुपालन किया है और वे हम सब को भी उसके लिये प्रेरित करते हैं।

आगामी गंगा दशहरा व ईद-उल अजहा बकरीद त्यौहारो को सकुशल व शान्तिपूर्ण ढंग से मनाए जाने हेतु जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने नगर के प्रबुद्धजनो के साथ बैठक कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश

किसी तरह की अशान्ति की स्थिति में पुलिस व प्रशासन को तत्काल करे सूचित, अपने हाथ में न ले कानून व्यवस्था -जिलाधिकारी

भारत संवाद

- परम्परागत तरीके से मनाएं त्यौहार नई परम्परा की न की जाए शुरूआत
- सोशल मीडिया पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर, भ्रामक खबर/सूचना/वीडियो फैलाने वालो के विरूद्ध होगी कड़ी कार्यवाही -पुलिस अधीक्षक

मीरजापुर , आगामी गंगा दशहरा एवं ईद-उल अजहा बकरीद पर्व को जनपद में पूरे हर्षोल्लास, शान्तिपूर्ण एवं परम्परागत ढंग से मनाए जाने के दृष्टिगत जिलाधिकरी प्रियंका निरंजन व वरिष्ठपुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने जनपद के प्रत्येक थानो से आए प्रबुद्धजनो एवं अधिकारियों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में पीस कमेटी की बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगो से कहा कि आगामी त्यौहार विशेषतौर पर बकरीद व गंगा दशहरा को आपसी सौहार्दपूर्ण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए मनाया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार से नई परम्परा की शुरूआत न की जाए। बकरीद के दौरान खुले स्थान पर कुबार्नी न दी जाए तथा किसी भी दशा में प्रतिबंधित पशु/जानवरो की कुबार्नी न दी जाए, जिससे त्यौहार शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सकें। उन्होंने कहा कि कुबार्नी के उपरान्त अवशेष/अपशिष्ट पदार्थो को खुले में न डाला जाए और नही कोई सामाग्री खुला लेकर जाया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी व नगर पालिकाओं/नगर पंचायत के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने-अपने क्षेत्रो में बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। त्यौहार के दिन अनवरत विद्युत आपूर्ति व जलापूर्ति भी बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि त्यौहार के दिन सफाई कार्मिको सहित लेखपाल, राजस्व निरीक्षक की भी ग्रामीण अंचलो में ड्यूटी लगाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस प्रशासन व सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट व जिलाधिकारी को अवगत कराया जाए ताकि तत्काल उसका निराकरण कराया जा सकें। किसी के द्वारा कानून व्यवस्था को अपने हाथ में लेने का प्रयास न किया जाए ताकि जनपद में शान्ति सुरक्षा और सौहार्द का माहौल बना रहें। उन्होंने यह भी कहा कि कहीं भी सार्वजनिक मार्गो पर यातायात व्यवस्था अवरूद्ध न होने पाए इसके लिए पुलिस व मजिस्ट्रेट के अधिकारी क्षेत्र में भ्रमणशील रहें। जिलाधिकारी ने गंगा दशहरा त्यौहार के दृष्टिगत जिला पंचायत राज अधिकारी कों ग्रामीण क्षेत्रो में तथा नगर पालिकाओं/नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में पड़ने वाले गंगा नदी व अन्य नदियो पर स्थित घाटो पर गोताखोर, नाव की व्यवस्था सहित बेहतर साफ सफाई, बैरीकेटिंग आदि की समुचित व्यवस्था कराई जाए

ग्राम फजलपुर में श्रीमदभागवत कथा का शुभारंभ -निकाली कलश यात्रा

- फजलपुर में सोमवार से सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा का आयोजन शुरू हुआ
- शिवप्रकाश दीक्षित अतरौली भारत संवाद

भारत संवाद

अलीगढ़ ! अतरौली क्षेत्र के ग्राम फजलपुर में सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा का आयोजन किया जारहा है जिसमें कथा प्रारम्भ होने से पहले बेंड बाजे के साथ कलश यात्रा निकली गई कलश यात्रा में श्रद्धालु ने बढ़ चढ़ कर सह भाग किया, यात्रा यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने मां भगवती, देवताओं के गगन भेदी जयकारे लगा रहे थे जिससे पूरा गाँव भक्तिमय हो गया कलश यात्रा कथा स्थल श्रीराम दरबार से प्रारम्भ होकर गाँव की गली मुहल्लों में भ्रमण करती हुई अन्त में भागवत पंडाल में संपन्न हुई कलश यात्रा में महिला, कन्याए सर पर कलश लेकर चल रही थीं तो पुरुष श्रद्धालु भक्तिभाव से सनातनी जयकारे लगते चल रहे थे इसके बाद भगवत पंडाल में व्यास ने विधी - विधान से कलशों में जल भरवाया था कलश स्थापना के वाद कथा ब्यास पंकज कृष्ण शास्त्री जी ने श्रीमदभागवत का शुभारम्भ कर आज महात्मय धुन्धकारी की कथा कहीं जिसे सुनकर पूरा पंडाल भक्तिमय होगया, इस मौके पर आस पास के सेकणों भक्त लोग मौजूद रहे।

सहारनपुर को मिला निजी औद्योगिक पार्क, 70 करोड़ का निवेश मंजूर

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) प्रदेश के औद्योगिक ढांचे को मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है, जिससे राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर किया जा सके। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार की औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के अन्तर्गत प्रदेश में निजी क्षेत्र की भागीदारी से आधुनिक औद्योगिक पार्कों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में 02 जून, 2025 को सीईओ की अध्यक्षता में स्क्रूटिनी सीमित की बैठक सम्पन्न हुई।

विकासकर्ता मैसर्स पुलस्त्य इंडस्ट्रियल पार्क लिमिटेड द्वारा जनपद-सहारनपुर में स्थापित किए जाने वाले निजी औद्योगिक पार्क के प्रस्ताव पर विचार किया गया। समिति द्वारा परियोजना को आवश्यक औपचारिक स्वीकृति प्रदान करते हुए यूनीक आई.डी. निर्गत करने का निर्णय लिया गया। यह यूनीक आई.डी. विकासकर्ता को औद्योगिक पार्क के कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ने हेतु अधिकृत करता है।

प्रस्ताव के अनुसार, विकासकर्ता द्वारा लगभग 70.00 करोड़ की पूंजी निवेश के साथ इस निजी औद्योगिक पार्क की स्थापना की जाएगी। इस परियोजना में समस्त आधुनिक अवस्थापना सुविधाओं – जैसे आंतरिक सड़कों का निर्माण, जल आपूर्ति एवं जल निकासी व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, औद्योगिक भवनों की संरचना, और हरित क्षेत्र का विकास आदि – की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

निजी औद्योगिक पार्क के पूर्ण रूप से विकसित होने पर, इसमें लगभग 21 औद्योगिक भूखण्डों का सृजन होगा, जिन पर विविध प्रकार की औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी। इस परियोजना के माध्यम से लगभग 700 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सशक्त आधार प्राप्त होगा।

निजी औद्योगिक पार्कों से बढ़ेगा निवेश, रोजगार और क्षेत्रीय विकास

इस पहल की सकारात्मक गूंज न केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित रही, बल्कि उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों के निवेशकों ने भी इस औद्योगिक पार्क में निवेश करने एवं औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित करने की रुचि प्रकट की है। यह संकेत करता है कि उत्तर प्रदेश अब राष्ट्रीय औद्योगिक मानचित्र पर एक सशक्त एवं आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

उत्तर प्रदेश निजी औद्योगिक विकास प्राधिकरण राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। निजी औद्योगिक पार्कों को प्रोत्साहन देने से राज्य में उद्यमिता, निवेश, रोजगार सृजन तथा स्थानीय विकास को गति मिलेगी। वढरकऊअ भविष्य में भी ऐसी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करते हुए प्रदेश के सर्वांगीण औद्योगिक विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री मयूर माहेश्वरी ने कहा कि, उत्तर प्रदेश सरकार की औद्योगिक नीति-2022 के तहत निजी क्षेत्र की भागीदारी से औद्योगिक विकास को नई दिशा मिल रही है। सहारनपुर में प्रस्तावित निजी औद्योगिक पार्क न केवल स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देगा, बल्कि उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों के निवेशकों के लिए भी उत्तर प्रदेश को एक आकर्षक गंतव्य बनाएगा। UPSIDA प्रदेश में उद्योगों के लिए एक पारदर्शी, सहयोगी एवं रोजगारोन्मुख वातावरण सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि हर औद्योगिक परियोजना राज्य की समग्र आर्थिक प्रगति में योगदान दे।

फास्ट ट्रैक

जिला पंचायत सदस्य राजकुमारी सिंह एवं पूर्व जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोक दल चौधरी कालीचरण सिंह के अथत प्रयासों से गांव मतरोइ में सीसी निर्माण कार्य हुआ प्रारंभ

भारत संवाद / योगेश शर्मा

इगलास वार्ड नंबर 31की जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राजकुमारी सिंह के अथक प्रयासों से जिला पंचायत अध्यक्ष महोदया द्वारा कराई जा रही (सी सी रोड) निर्माण कार्य मतरोई वाली सड़क से श्रीमती बतों देवी इंटर कॉलेज तक क्षेत्र के सम्माननीय व्यक्तियों के साथ कार्य को देखा/ इस मार्ग के बनने से आसपास के गांवो के बच्चों को आने जाने में बरसात के कारण जो असुविधा बीते कई सालों से हो रही थी वह इस मार्ग के बनने से दूर हो जाएगी क्षेत्र में रोड के बनने से खुशी का माहौल हो रहा है अब इस रोड के बनने से बच्चों को आने जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी/क्षेत्र की जनता द्वारा इस कार्य की बहुत ही सराहना की जा रही है ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के कार्य होने से राष्ट्र के विकास में बहुत योगदान मिलता है तथा ग्रामीण प्रतिभाओं को हाईस्कूल इंटर तक की शिक्षाओं में सुगमता होती है /वहां पर उपस्थित लोगों ने कहा कि ऐसे कार्य माननीय परम परम श्रद्धेय भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार के सपनों के अनुसार होते रहेंगे तो ग्रामीण जनता की समस्त बिरादरी के उत्थान में काफी योगदान मिलेगा तथा शोषण,वंचित दलित, पिछड़े ,अति पिछड़े समाज के बच्चों को पढ़ने का समान अवसर कम खर्च में मिलेगा

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जिला आयुष समिति की बैठक हुई आयोजित।

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता, मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक, उपजिलाधिकारी लम्भुआ/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गामिनी सिंगला व प्रशिक्षु आई.ए.एस. रिदम आनन्द की उपस्थिति में जिला आयुष समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। उक्त बैठक में जिलाधिकारी महोदय द्वारा जनपद में संचालित आयुर्वेद चिकित्सालयों में, जहां भूमि उपलब्ध नहीं है, भूमि पुनर्ग्रहण कराये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया गया। उन्होंने जनपद में रिक्त योग प्रशिक्षक (महिला/पुरुष) के रिक्त पदों को भरे जाने हेतु जिला कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देशित किया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा योग सप्ताह 2025 (15 जून 2025 से 21 जून 2025 तक) एवं ग्यारहवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2025) के आयोजन के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा- निर्देश दिये गये।

समाजसेवी ज्ञानचंद आजाद की 15वीं जयंती धूमधाम से मनायी जाएगी: इन्दु गौतम

सहारनपुर। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं बामियान बुद्ध विहार के संस्थापक दिवंगत ज्ञानचन्द आजाद की जयन्ती को लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के सम्बंध में आयोजको के द्वारा प्रैसवार्ता कर विस्तार से जानकारी गई। प्रैसवार्ता मे आयोजको के द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में मेधावी छात्रों, शिक्षकों व विशेष उपलब्धि पाने वाले लोगों को सम्मानित किया जायेगा। पत्रकार वार्ता में ज्ञानचन्द आजाद फाऊण्डेशन की सचिव इन्दु गौतम ने बताया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रसिद्ध समाजसेवी एवं बामियान बुद्ध विहार के संस्थापक दिवंगत ज्ञानचन्द आजाद की जयन्ती का कार्यक्रम 15 जून 2025 को धूमधाम से मनाया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु ज्ञानचन्द आजाद के महत्वपूर्ण योगदान को दृष्टिगत रखते हुए इस अवसर पर मेधावी छात्रों, शिक्षकों व विशेष उपलब्धि पाने वाले लोगों को सम्मानित किया जायेगा। सचिव इन्दु गौतम ने बताया कि 10वीं व 12वीं कक्षा में ग्रामीण क्षेत्र के 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी एवं शहरी क्षेत्र के 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जायेगा।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर आरोप लगा किया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर प्रदर्शन

मीट प्रकरण मे निर्दोष युवाओं को पुलिस द्वारा थर्ड डिग्री देने का आरोप

भारत संवाद / डॉली शर्मा संवादाता

अलीगढ।संयुक्त सनातन संगठन के तहत अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा अलीगढ़ ,राष्ट्रीय सवर्ण परिषद ,करणी सेना ,किसान मजदूर संगठन,भारतीय किसान यूनियन (भानु) राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ,हिन्दू महासभा आदि संगठन के पदाधिकारियों के साथ पीड़ित परिवार के लोग डॉ. शैलेन्द्र पाल सिंह एवं आचार्य भरत तिवारी जी के नेतृत्व मे घंटाघर पर एकत्रित होकर सिर पर काली पट्टी बांध बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय (एसएसपी) पर पहुंचे जहां पुलिस अधिकारियों के 45 मिनट तक तीखी बहस हुई और पुलिस अधीक्षक ग्रामीण को सामने आकर बात करने की माँग रखी और जय श्री राम के नारे लगाए जाने लगे उसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सभी के बीच में आकर 15 से 20 लोगों के प्रतिनिधि मण्डल से वार्ता की पेशकश की जिसमें सभी संगठन और पीड़ित परिवार से एक सदस्य को लेकर वार्ता की गई हिन्दू महासभा के अशोक पाण्डेय जी कहा कि दिनांक -24 मई 2025 को थाना हरदुआगंज के अंतर्गत गांव- अलहदादपुर के नजदीक एक गाड़ी में चार लोग अवैध रूप से सरकार के नियमों के विरुद्ध 9 कटे हुए, प्रतिबंधित पशुओं को अलीगढ़ से अतरौली की ओर लेकर जा रहे थे जिसकी जानकारी होने पर कुछ राहगीरों ने गाड़ी को रोकने का प्रयास किया तो गौ तस्करों ने राहगीरों को गाड़ी ने टक्कर मारकर गिरा दिया तथा गाड़ी सवार गौ-तस्करों ने राहगीरों को कुचलने का प्रयास किया राकेश शर्मा ने बताया कि इस दौरान राहगीरों ने एवं आस-पास खेतों में काम कर रहे लोगों की मदद से गाड़ी को रोका गाड़ी द्वारा कुचलने के प्रयास से नाराज कुछ राहगीरों ने उन गौ-तस्करों की पिटाई कर दी जिसकी हम सभी निंदा करते हैं लोकेश जादौन ने बताया कि राहगीरों द्वारा गौ-तस्करों के साथ की गई मारपीट की घटना गौ-तस्करों द्वारा उन्हें गाड़ी से कुचलकर मारने का प्रयास करने की प्रतिक्रिया स्वरूप उत्पन्न गुस्से के कारण थी वास्तव में राहगीरों का गौ -तस्करों को जान माल का नुकसान पहुंचाने का कोई भी गलत उद्देश्य और नीयत नहीं थी ज्ञानेन्द्र चौहान ने बताया उक्त घटना पुलिस एवं प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है जिसके लिए हरदुआगंज एवं अकराबाद पुलिस दोषी है

जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता-नगर आयुक्त

जल्द सेंटर पाइंट पर पार्किंग और अतिक्रमण से मिलेगी राहत-नगर आयुक्त ने सेंटर पाइंट व्यापार मण्डल को दिया आश्वासन

- जनसुनवाई में नगर आयुक्त ने पब्लिक को दिलाया भरोसा-नगरीय जन सुविधाओं को प्रभावी बनाने के लिये पार्षद और नागरिकों से संवाद को बनाया जायेगा प्रभावी
- बकरीद पर ईदगाह सहित मस्जिदों को आने जाने वाले मार्गो पर चलेगा गड्ढा मुक्ति अभियान-नगर आयुक्त ने मुख्य अभियन्ता और अपर नगर आयुक्त को व्यवस्थाओं को परखनें का दिया जिम्मा

भारत संवाद

जनसुनवाई में नगरायुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के समक्ष शिकायतकर्ता एनपीसिंह, मदन पाल,लड्डन अली ने लाइट लगवाये जाने के संबंध मे कविता शर्मा ने ग्रहकर आपत्ति के संबंध मे सुभाष चंद्र ने नाली सफाई के संबंध में वीरेंद्र सिंह ने लाइट ठीक कराये जाने के संबंध में पवन अग्रवाल ने ग्रहकर में नाम परिवर्तन के संबंध में नरेंद्र पाल ने नालियों की सफाई के संबंध में समस्या बतायी जनसुनवाई में आये नागरिकों और पार्षदों की समस्याओं पर त्वरित कार्यवाही के लिये नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने सभी विभागाध्यक्षों को जन समस्याओं को गंभीरता से लेने और समयबद्ध निस्तारण कराकर सीधे नगर आयुक्त को अवगत कराने की हिदायत दी है। मंगलवार को सुबह 10 बजें से अपरान्हः 2 बजें तक नगर आयुक्त ने पार्षदों, नागरिकों, सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में आये पार्षद, हफीज अब्बाासी, नईम अहमद द्वारा बकरीद.पर व्यवस्थाओं को समय से कराने के लिये नगर आयुक्त से कहा। नगर आयुक्त ने सभी पार्षदों को आश्वसत करते हुये कहा इस बार बकरीद पर साफ सफाई और कुबार्नी के अवशेषो के निस्तारण के लिये बेहतर व्यवस्थाए की जा रही है कुबार्नी के अवशेषो को डालने के लिये 100 से अधिक पाइंटों को चिन्हित कर जीओ टैगिंग करायी गयी है साथ ही साथ वहॉ खड़े होने वाले वाहनों, टैक्टर ट्राली को भी आवंटित कर दिया गया है। पार्षदों द्वारा ईदगाह, जामा मस्जिद को आने जाने वाले मार्गो पर पैच वर्क कराये जाने की बात पर नगर आयुक्त ने मुख्य अभियन्ता को ईदगाह और जामा मस्जिद के आने जाने वाले मार्गो पर तत्काल गड्ढा मुक्ति अभियान चलाने के साथ साथ बकरीद पर नगर निगम व्यवस्थाओं की निगरानी के लिये अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव व मुख्य अभियन्ता सुरेश चन्द्र को संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन करने के लिये कहा।जन सुनवाई में सेंटर पाइंट व्यापार मण्डल के अध्यक्ष विवेक बगई, शमन महेश्वरी पार्षद पुष्पेन्द्र सिंह ने नगर आयुक्त का स्वागत करते हुये सेंटर पाइंट क्षेत्र में अवैध वैन्डर्स और पार्किंग की व्यवस्था न होने के कारण दुकानदारों को हो रही परेशानी से अवगत कराया

सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रतिनिधि मण्डल ने नगर आयुक्त से की मुलाकात

शहर की समस्याओं के निस्तारण पर की गहन चर्चा

डॉली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़।सर्व ब्राह्मण महासभा के एक प्रतिनिधि मण्डल ने नगर आयुक्त प्रेमप्रकाश मीणा से मुलाकात की जिसमें सर्व ब्राह्मण महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश महासचिव अरविंद पंडित और हिन्दू युवा वाहिनी के ब्रज प्रांत अध्यक्ष संजीव गौड के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट करते हुए नगर में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के विषय में भी बात की।इस दौरान नगर आयुक्त से कहा कि शहर में एक ओर तो स्मार्ट सिटी बनाने का कार्य चल रहा है वहीं दूसरी ओर शहर की जनता को विभिन्न समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।इतना ही नहीं शहर में विभिन्न स्थानों पर बने बैंडर जोन ही अतिक्रमण कर शिकार है जो स्मार्ट सिटी को मुंह चिढा रहे हैं जबकि इस तरह की समस्याओं का नगर आयुक्त स्वतःसंज्ञान लें और निराकरण करें।इस अवसर पर संजीव गौड़,ललित वर्मा,त्रिवेन्द्र शर्मा, अंकित चौधरी,रजनीश शर्मा,गौरव और लोकेश उपाध्याय आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

समस्याओं को लेकर रालोद प्रतिनिधिमंडल डीएम से मिला

सहारनपुर। विभिन्न जन समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय लोकदल का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय लोक दल के विधायक थाना भवन अशरफ अली खान के नेतृत्व में जिला अधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल एवं पुलिस उप महनिरीक्षक अभिषेक सिंह से मिला दोनों उच्च अधिकारियों को विधायक ने कार्यकताओं की समस्याओं से अवगत कराया

उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड (प्रथम),
13 यमुना बैंक रोड, कीडगंज, प्रयागराज - 211003
Email - eecdalld@rediffmail.com

पत्रांक :- 170/ A-7 23 दिनांकः 02/06/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

अध्यक्ष, उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा 'Construction of Manhole of 1500 mm dia including Other Appurtenant Works Near Kali Mandir LIC Road, Tagore Town in Sewerage District-D, Nagar Nigam, Prayagraj, Disrict-Prayagraj.' की अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जा रही है। निविदा प्रपत्र जिसका मूल्य रू0 3000.00 ₹ 18.00 प्रतिशत जी0एस0टी0 (प्रचलित दर के अनुसार) है, कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड (प्रथम), उ0प्र0 जल निगम (नगरीय), 13 यमुना बैंक रोड, कीडगंज, प्रयागराज से दिनांक 05.06.2025 से दिनांक 19.06.2025 अपरान्ह 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में क्रय किये जा सकते है। निविदा प्रपत्र दिनांक 20.06.2025 को अपरान्ह 01:00 बजे तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड (प्रथम), उ0प्र0 जल निगम (नगरीय), 13 यमुना बैंक रोड, कीडगंज, प्रयागराज में जमा किये जा सकते है। निविदा दिनांक 20.06.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड (प्रथम), उ0प्र0 जल निगम (नगरीय), प्रयागराज में खोली जायेगी ।

अधिशासी अभियन्ता

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 25/26 दिनांकः 03.06.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस. ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	70253501	पीयू बेस्ड जेनसन ब्लू	79639 लीटर	30.06.2025
2	70253003	एम. एस. वैल्डिंग एलेक्ट्रोडेस क्लास ए1	631437 मीटर	01.07.2025
3	70253502	पैंट एनामेल जेनसन ब्लू	25622 लीटर	25.07.2025
4	64255138	ऐअर कंडीशनर यूनिट फॉर ट्रैक मशीन	21 नग	02.07.2025
5	आरसी6कोर5025	सिगनलिंग केबल साइज 6 कोर x 1.5 एस क्यू एम एम	537 कि.मी	10.07.2025
6	आरसी48 ओएफसी5025	48 आर्मर्ड ऑप्टिकल फाइबर केबल	800 कि.मी	14.07.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण **IREPS** वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 965/25 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या :- 41-विद्युत/सां0/प्रयागराज/25-26 दिनांक : 30.05.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 24.06.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

निविदा सूचना संख्या : ELG-72-2526	काम की लागत (रू में) : 4787682.06
कार्य का नाम : प्रयागराज मंडल में वीडियो निगरानी प्रणाली के लिए विद्युत कनेक्शन कार्य और एयर कंडीशनर का प्रावधान।	
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 95800.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 माह
निविदा खुलने की तिथि : 24.06.2025, समय - 15:00 बजे।	

नोट : 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 959/25 (C)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 03435/03436 मालदा टाउन-आनन्द विहार (ट.)-मालदा टाउन ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 03435 मालदा टाउन-आनन्द विहार (ट.)			गाड़ी सं. 03436 आनन्द विहार (ट.)-मालदा टाउन	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
सोम.	09:30	मालदा टाउन ▲	21:05	बुध.
01:50	01:55	प्रयागराज जं.	05:00	05:05
06:05	06:10	गोविन्दपुरी	02:00	02:05
09:30	09:32	दूण्डला जं.	19:35	19:37
13:40	मंगल.	▼ आनन्द विहार (ट.)	मंगल.	15:45

मालदा टाउन से: गाड़ी सं. 03435, सोमवार, दिनांक 09, 16, 23 एवं 30 जून 2025 **आनन्द विहार (ट.) से:** गाड़ी सं. 03436, मंगलवार, दिनांक 10, 17, 24 जून एवं 01 जुलाई 2025 **गाड़ी संरचना:** वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-06, स्लीपर श्रेणी-08, सामान्य श्रेणी-04

नोटः ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 962/25 (ADM)

धूम धाम से निकाली शोभायात्रा,धर्म ध्वज के साथ फहराई राष्ट्र पताका

सनातन धर्मावलम्बियों के एकजुटता का सन्देश देती है शोभायात्रा : स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज

परम कल्याण के लिए आवश्यक है श्रीमद भागवत कथा : शिवम व्यास

भारत संवाद

अलीगढ। परमहंस दयाल जी सेवा संस्थान गौशाला (ग्राम कस्तली पला)के तत्वावधान में होने वाले श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ कलश यात्रा के साथ हुआ।जिसमें शहर एवं गांव के तमाम गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।इस शोभायात्रा की खास बात यह रही कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश के नेतृत्व करने के साथ देश सेवा में लगे सेना के जवानों के उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से तिरंगा यात्रा पूरे देश में चलाई जा रही है इसी क्रम में इस धार्मिक कलश यात्रा में भी तिरंगा को लेकर सैकड़ो भक्तों ने भाग लिया।मंगलवार को प्रातः कालीन बेला में परम विरक्त यति स्वामी श्री पूणार्नंदपुरी जी महाराज के सानिध्य में कथा व्यास शिवम शास्त्री सहित लगभग सेकड़ो व्यक्तियों ने हाथों में ध्वजा पताका लेकर ढोल नगाड़ो और संकीर्तन के भजनों पर नाचते गाते हुए यात्रा में भाग लिया वहीं कलश यात्रा का शुभारम्भ स्वामी श्री पूणार्नंदपुरी जी महाराज एवं करणी सेना के जिलाध्यक्ष धीरू ठाकुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। यात्रा में सम्मिलित सभी भक्तों के लिए ठंडे पेय की उचित व्यवस्था की गयी। नाचते थिरकते भगवान की भक्ति में लीन लोगों हेतु जगह जगह छतों से लोगों ने पुष्प एवं इत्र वर्षा की। स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज ने इस अवसर पर कहा कि सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का रसपान करने से पूर्व नगर भ्रमण के साथ हरिनाम संकीर्तन आवश्यक है।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

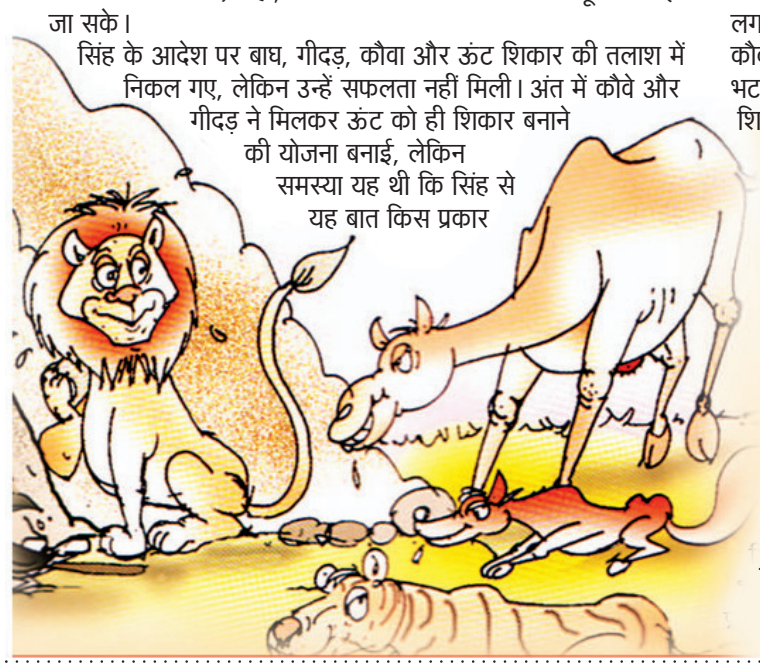

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं।

स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

अंतर ढूंढो

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

कहानी क्रोनोमीटर की

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुज्रे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षो से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे- हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

पाकिस्तानी टिकटॉक स्टार की हत्या

घर में घुसकर गोली मारी; हमलावर 10वीं पास बेरोजगार, 17 साल की सना ने उसका लव प्रपोजल ठुकराया था

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में 17 साल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना यूसुफ की सोमवार को उनके ही घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना इस्लामाबाद के जी-13 इलाके में हुई। इस्लामाबाद पुलिस के आईजी सैयद अली नासिर रिजवी ने कहा कि सना के हत्यारे का पता चल गया है। अपराधी 22 साल का लड़का है, जिसे फैसलाबाद से गिरफ्तार किया गया। वह रिश्तेदार बनकर सना के घर में घुसा था। पुलिस का कहना है कि हमलावर ने सना को कई बार प्रपोज किया था। हर बार उसने मना कर दिया। हमलावर मैट्रिक पास और बेरोजगार है और बेहद गरीब परिवार से आता है। आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली है। रिजवी ने बताया कि सना ने 29 मई को अपना बर्थडे मनाया था। इस दिन संदिग्ध ने सना से मिलने की खूब कोशिश की थी। वह उसके घर भी पहुंचा था और सात से आठ घंटे तक मिलने की कोशिश करता रहा, लेकिन सना से उसकी मुलाकात नहीं हो पाई

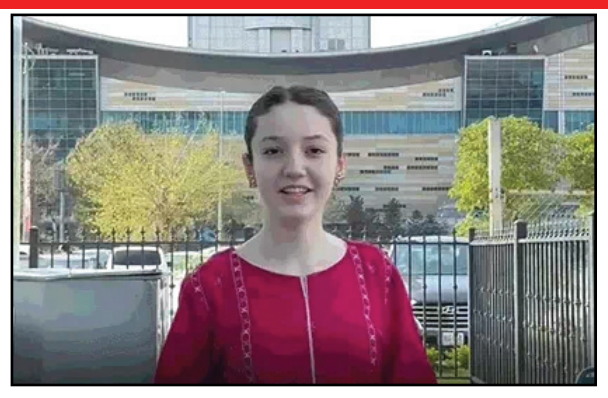

थी। उन्होंने कहा कि संदिग्ध ने सबूत मिटाने के लिए सना का मोबाइल फोन ले लिया था। पुलिस को हत्या में इस्तेमाल हथियार भी मिला है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने पहले सना से घर के बाहर कुछ देर बात की और फिर घर के अंदर आकर गोलियां चलाईं। सना को बहुत नजदीक से दो गोलियां लगीं, जिसके बाद उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की गिरफ्तारी संभव हो पाई है। पुलिस ने आरोपी के पास से हत्या में इस्तेमाल पिस्तौल और सना का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। हादसे के बाद सना को तुरंत पीआईएमएस अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद सना का अंतिम संस्कार इस्लामाबाद के एच-8 कब्रिस्तान में किया गया। सना की मां फरजाना यूसुफ ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुस आया था। उसने उनकी बेटी पर दो गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि अगर हत्यारा उनके सामने आता है तो वह उसे पहचान सकती हैं। 17 साल की सना यूसुफ मूल रूप से चित्राल की रहने वाली थीं। वह सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय थीं। सना कॉमेडी, लाइफस्टाइल, कल्चरल अवेयरनेस और एजुकेशनल मैसेज से जुड़े पोस्ट करती थीं। टिकटॉक पर सना के 7.25 लाख और इंस्टाग्राम पर करीब 5 लाख फॉलोअर्स हैं। उनके लुक की वजह से लोग उनकी तुलना मशहूर अभिनेत्री हानिया आमिर से भी करते थे। सना मेडिकल की तैयारी कर रही थीं। हत्या के पीछे की असल वजह अभी तक साफ नहीं हो सकी है। पुलिस ने संदिग्ध की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें बनाई हैं। पुलिस ने कहा कि वे सभी संभावित कारणों को ध्यान में रख रहे हैं, जिसमें ऑनर किलिंग की आशंका भी शामिल है। पुलिस इस मामले की हर दिशा से जांच कर रही है, जिसमें आपसी रंजिश, निजी विवाद या कोई और वजह भी हो सकती है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें सना के शव को परिजन ले जा रहे हैं। सना की हत्या की खबर जैसे ही फैली, पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने न सिर्फ दुख जताया है

पहलगाम हमले के आतंकी के बचाव में पाकिस्तानी नेता

पंजाब असेंबली का स्पीकर बोला- भारत ने बिना जांच के सैफुल्लाह को जिम्मेदार ठहराया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान की पंजाब असेंबली के स्पीकर मलिक अहमद खान ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के आरोपी और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर सैफुल्लाह खालिद का बचाव किया है। इसके अलावा मलिक ने भारत सरकार और और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत में होने वाले आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। पाकिस्तान के पंजाब में 28 मई को एक कार्यक्रम के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों और कई नेताओं को एक ही मंच पर देखा गया। इस कार्यक्रम में पहलगाम हमले

का मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी, लश्कर का को-फाउंडर आमिर हमजा और हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद भी मौजूद था। इन आतंकियों के साथ मंच साझा करने वालों में पाकिस्तान के फूड मिनिस्टर मलिक राशिद अहमद खान और पंजाब विधानसभा के स्पीकर मलिक मुहम्मद अहमद खान शामिल थे। ये सभी 28 मई को न्यूक्लियर टेस्ट की 27वीं सालगिरह पर पंजाब में आयोजित कार्यक्रम में थे। इस दौरान इन नेताओं और आतंकियों ने भारत के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिए और खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाए। आतंकी सैफुल्लाह ने कार्यक्रम में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए आतंकवादियों को शहीद भी कहा था। उसने दावा किया कि इस हमले के बाद उसे पूरी दुनिया जानने लगी है। उसने कहा, 'मुझे पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड बताया गया। उन्होंने हमारा नाम इतनी बार ले लिया है कि अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर हो गया है।' पाकिस्तानी पत्रकार ताहा सिद्दीकी ने एक्स पर हमजा का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह यह कहते हुए सुनाई दे रहा है, 'कश्मीर पाकिस्तान बनेगा. जम्मू पाकिस्तान बनेगा, भारतीय पंजाब खालिस्तान बनेगा। सैफुल्लाह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के रावलकोट का रहने वाला है। वहीं से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को ऑपरेट कर रहा था। उसने मार्च में एक भाषण दिया था, जिसका वीडियो भी सामने आया था। इसमें वह सख्त लहजे में पाकिस्तान सरकार से कश्मीर मुद्दा शांत न पड़ने देने की बात कह रहा है। सैफुल्लाह का ये भाषण मार्च 2025 का बताया जा रहा है। हालांकि, इसकी तारीख और लोकेशन का पता नहीं है।

पाकिस्तान में कराची की जेल से 216 कैदी भागे

भूकंप के बाद अफरातफरी में मेन गेट से फरार; 80 से ज्यादा दोबारा पकड़े गए

एजेंसी

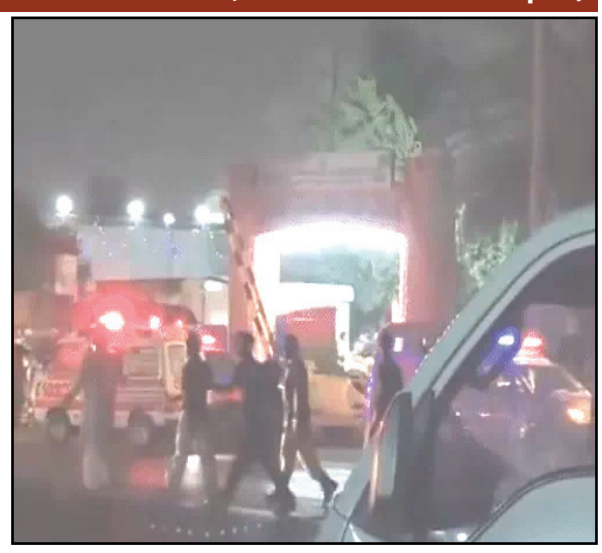

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के कराची की मलिर जेल से सोमवार रात 216 कैदी फरार हो गए। जेल प्रशासन के मुताबिक कराची में आए भूकंप के झटकों के बाद ऐहतियातन कैदियों को बैरकों से बाहर निकाला गया था। जियो न्यूज के मुताबिक इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर कैदी मेन गेट से फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 कैदी अभी भी फरार हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह ने मंगलवार तड़के इसकी पुष्टि की। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में कैदियों के दीवार तोड़कर भागने की बात कही जा रही थी। प्रशासन ने साफ किया है कि कोई दीवार नहीं तोड़ी गई, सभी कैदी मेन गेट से ही भगदड़ के बीच भाग निकले। गृह मंत्री लांजार ने बताया कि भूकंप के बाद 700 से 1000 कैदियों को बैरकों से बाहर लाया गया था। इसी अफरा-तफरी में 100 से ज्यादा कैदियों ने मेन गेट की तरफ धक्का-मुक्की शुरू की और भाग निकले। जेल प्रशासन के मुताबिक तलाशी अभियान अब भी जारी है। इस अभियान में स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट (एसएसयू), रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स (आरआरएफ), रेंजर्स और फ्रंटियर कोर (एफसी) की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। घटना के तुरंत बाद जेल का नियंत्रण रेंजर्स और एफसी ने संभाल लिया। आईजी जेल, डीआईजी जेल और जेल मंत्री ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। घटना में एक कैदी की मौत की खबर है। वहीं, 4 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। गृह मंत्री ने माना कि प्रशासनिक लापरवाही भी इस घटना का कारण हो सकती है। मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को पूरी जानकारी दे दी गई है। उन्होंने गृह मंत्री को जेल जाकर हालात की निगरानी करने के निर्देश दिए। सिंध के राज्यपाल कामरान टेसोरी ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए गृह मंत्री और आईजी सिंध पुलिस से सभी कैदियों को जल्द गिरफ्तार करने को कहा। गृह मंत्री लांजार ने बताया कि हर फरार कैदी की पहचान और रिकॉर्ड उपलब्ध है।

उनके घरों और आसपास के इलाकों में छापेमारी जारी है। जेल मंत्री ने कहा कि लापरवाह अफसरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा के लिहाज से चैक पोस्ट्स और निगरानी सख्ती बरती जा रही है। पिछले साल जुलाई में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की रावलकोट जेल से 19 कैदी फरार हो गए थे। इनमें से 6 को मौत की सजा सुनाई गई थी। घटना पुंछ के रावलकोट जेल की है, जो मुजफ्फराबाद से करीब 110 किमी दूर है। रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे एक कैदी ने पहरेदार से उसकी लस्सी बैरक तक लाने के लिए कहा था।

जब पहरेदार लस्सी देने पहुंचा, तब कैदी ने बंदूक तानकर उसे दबोच लिया और उसकी चाबियां छीन लीं। इसके बाद कैदी ने बाकी बैरक का ताला भी खोल दिया था।

फिर सभी कैदी मेन गेट की तरफ भागे। इस दौरान पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक कैदी की मौत हो गई थी। पाकिस्तान में इससे पहले भी कई बार आतंकियों के जेल तोड़कर भागने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 2012 में पाकिस्तान के बन्नू शहर में 400 कैदी जेल से फरार हो गए थे।

साउथ कोरिया में वामपंथी पार्टी का जीतना लगभग तय

सर्वे में 51.7% वोट मिले; 30 साल में सबसे ज्यादा वोटिंग

एजेंसी

सियोल, साउथ कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग खत्म हो गई है। एग्जिट पोल के मुताबिक वामपंथी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के राष्ट्रपति उम्मीदवार ली जे-म्यांग की जीत लगभग तय मानी जा रही है। पोल के मुताबिक ली जे-म्यांग को 51.7% वोट, सत्ताधारी पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) के किम मून सू को 39.3% वोट और रिफॉर्म पार्टी के ली जुन-सोक को 7.7% वोट मिल सकते हैं। चुनाव आयोग की तरफ से रिजल्ट की पुष्टि बुधवार को होगी, लेकिन अगर ये आंकड़े सही निकले, तो ली उसी दिन राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। राष्ट्रपति चुनाव में कुल वोटर टर्नआउट 78.3% रहा, जो 1997 के बाद से सबसे अधिक है। यह 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के टर्नआउट (77.1%) से भी अधिक है। साउथ कोरिया में 1987 में हुए चुनाव में सबसे ज्यादा 89.2% वोटिंग हुई थी। वैसे तो साउथ कोरिया में 2027 में चुनाव होने थे, लेकिन पीपीपी पार्टी के यून सुक योल को पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ लगाने की वजह से राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया था। यून सुक योल ने मार्शल लॉ लगाने के पीछे राज्य-विरोधी ताकतों और उत्तर कोरिया से खतरे का हवाला दिया था। हालांकि, जल्द ही यह साफ हो गया था कि उन्होंने मार्शल लॉ सिर्फ अपनी राजनीतिक परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए लगाया था। एक हफ्ते बाद, संसद ने उन पर महाभियोग लगाया। 4 अप्रैल को, संवैधानिक अदालत ने उनका महाभियोग बरकरार रखा और उन्हें स्थायी तौर पर पद से हटा दिया। इसके बाद कानून के मुताबिक 60 दिन में चुनाव कराना अनिवार्य हो गया था।

आर्मी अफसरों की प्राइवेसी पर सरकार की एडवाइजरी

रक्षा मंत्रालय ने कहा- मीडिया बिना परमिशन निजी जानकारी सार्वजनिक न करे

एजेंसी

नई दिल्ली ,रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को मीडिया और लोगों से अपील की है कि वे सीनियर सैन्य अधिकारियों और उनके परिवारों की गोपनीयता का सम्मान करें। सरकार ने इस बारे में एडवाइजरी जारी की है। इसमें लिखा, 'सेवारत या रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों के निजी आवासों के पते छापने और उनके परिवारों के इंटरव्यू करने से बचें।'डिफेंस मिनिस्ट्री ने एडवाइजरी में कहा है कि जब तक आधिकारिक तरीके से इसका इनविटेशन या इजाजत न दी गई हो, तब तक आवासीय पते, परिवार के सदस्यों की तस्वीरें या अन्य निजी ब्योरों को छापने या प्रसारित करने से बचें।' 'मीडियाकर्मियों ने कथित तौर पर उनके आवास पर जाकर उनके परिवार के सदस्यों से संपर्क साधने की कोशिश की। इसके अलावा सेना के अफसरों के परिवार से आधिकारिक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत मुद्दे पर कवरेज की गई।' भारत-पाकिस्तान तनाव में ऑनलाइन एब्यूज का शिकार हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी 10 मई को भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर के ऐलान के बाद कई यूजर्स विदेश सचिव विक्रम मिसरी

मंत्रालय ने एडवाइजरी क्यों जारी की

मंत्रालय ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद सैन्य गतिविधियों से जुड़ी जानकारी देने के लिए समय-समय पर कई अफसर मीडिया के सामने आए। इन अफसरों को लेकर हो रही लगातार कवरेज उनके परिवार के लोगों और निजी जिंदगी तक पहुंच गई।'

की पोस्ट्स पर ऑनलाइन एब्यूज कर रहे थे। यहां तक कि उनके परिवार के साथ उनकी पुरानी तस्वीरें शेयर हो रही थीं जिसके साथ उनकी बेटी का मोबाइल नंबर वायरल कर दिया गया था और कई तरह के कमेंट्स भी किए जा रहे थे। जिसके बाद मिसरी ने अपना एक्स अकाउंट सिक्योर कर लिया।यूजर्स की ट्रोलिंग के बाद सोशल मीडिया पर कई इन्फ्लुएंसर मिसरी के सपोर्ट में उतर आए। उनका कहना है कि सीनियर ऑफिसर को पर्सनल लेवल पर ट्रोल करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए।सपा नेता अखिलेश यादव विक्रम मिसरी के बचाव में उतरे थेविदेश सचिव की ट्रोलिंग पर अखिलेश यादव ने कहा था- इस मामले की गहराई से जांच की जाए और दोषियों के सोशल मीडिया अकाउंट्स, बैंक खाते और ई-पेमेंट खातों का पूरा ब्योरा निकाला जाए।

बाढ़-लैंडस्लाइड से नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में 37 लोगों की मौत

सिक्किम में हेलिकॉप्टर से 36 लोगों का रेस्क्यू; एमपी-राजस्थान समेत 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट

बाढ़ के हालात में सुधार हुआ है। नदियां खतरे के निशान से नीचे हैं। राज्य के बाढ़ प्रभावित जिलों में 66 राहत शिविर खोले गए हैं, यहां 2926 परिवारों को 10800 से ज्यादा लोग मौजूद हैं। पश्चिमी त्रिपुरा जिले में सबसे अधिक ज्यादा 50 राहत शिविर हैं। राज्य में 219 घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य के 5 जिलों में आज ऑरेंज अलर्ट जारी है।

एजेंसी

नई दिल्ली ,देश के पूर्वोत्तर राज्यों में 29 मई को मानसून ने दस्तक दी थी। 5 दिन बीतने के बाद भी मानसून वहीं ठहरा हुआ है। इसके चलते मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और सिक्किम में तेज बारिश हो रही है। एमपी-राजस्थान समेत 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट है। नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में बाढ़-लैंडस्लाइड से अब तक 36 लोगों की मौत हो चुकी है। असम के 22 जिलों में 5.35 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और अब तक 11 लोगों की मौत हुई है। 15 नदियां उफान पर हैं। सड़क, रेल और बोट सर्विस प्रभावित है। कुल 165 राहत शिविरों में 31 हजार 212 लोग ठहराए गए हैं।उत्तरी सिक्किम के लाचेंग-चुंगथांग कस्बों में लैंडस्लाइड के कारण फंसे 1678 टूरिस्ट्स रेस्क्यू किए गए। इसमें 36 लोगों को ठऊफऋ की टीम ने हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया। 100 से ज्यादा अभी भी यहां फंसे हैं। मंगन जिले में बाढ़ को आपदा घोषित किया गया है। 31 मई की शाम जिले के छातेन में मिलिट्री कैंप पर लैंडस्लाइड में 3 जवानों की मौत हुई थी। लापता 6 जवानों की तलाश जारी है।इधर, बिहार के सीवान में सोमवार को आंधी-बारिश के बाद दीवार-पेड़ गिरने से अलग-अलग इलाकों में 2 महिलाओं समेत 7 लोगों की मौत हो गई। जयपुर में भी दीवार गिरने से एक महिला की जान चली गई। वहीं, मध्य प्रदेश के 38 जिलों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है।

पूर्वोत्तर राज्यों में हालात

अरुणाचल प्रदेशः एयरफोर्स ने सोमवार को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। प्रदेश के निचली घाटी दिबांग में बोमजीर नदी में फंसे 14 व्यक्तियों को बचाया गया। वायुसेना के मुताबिक असम और अरुणाचल प्रदेश में एमआई-17 हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बाढ़ग्रस्त इलाकों से लोगों को निकाला जा रहा है।

मणिपुरः बाढ़ से 56,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से 10,477 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। सोमवार को इंफाल ईस्ट में एक व्यक्ति नदी में बह जाने के बाद लापता हो गया। प्रभावित क्षेत्रों से 2,913 लोगों को निकाला गया है।

आप होंगे कमल हासन, लेकिन...कर्नाटक हाईकोर्ट ने जमकर लगाई फटकार

कमल हासन ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स समेत अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे ठग लाइफ की रिलीज का विरोध न करें। अभिनेता के वकील ने दलील दी कि बयान को गलत संदर्भ में लिया गया है और कमल हासन द्वारा लिखित जवाब कोर्ट में पेश किया।

एजेंसी

कर्नाटक हाईकोर्ट ने अभिनेता कमल हासन को फटकार लगाई है। उन्होंने राज्य में अपनी फिल्म ठग लाइफ की रिलीज के लिए कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। कन्नड़ भाषा पर कमल के बयान के विरोध के कारण कर्नाटक में फिल्म की रिलीज पर संकट मंडरा रहा है। हालांकि, अभिनेता ने माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया है। बता दें कि कमल हासन ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स समेत अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे ठग लाइफ की रिलीज का विरोध न करें। अभिनेता के वकील ने दलील दी कि बयान को गलत संदर्भ में लिया गया है और कमल हासन द्वारा लिखित जवाब कोर्ट में पेश किया। लाइव लॉ के अनुसार, बेंच ने कहा कि अगर यह माफी का जवाब है, तो हम इसे स्वीकार करेंगे। इसमें माफी की कोई बात नहीं है। आप कमल हासन हों या कोई और, आप जनता की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचा सकते। 'कन्नड़ तमिल से निकला है' वाले अपने बयान पर दिग्गज अभिनेता को फटकार लगाते हुए हाईकोर्ट की बेंच ने कहा, इस देश का विभाजन भाषाई आधार पर है। एक सार्वजनिक व्यक्ति ऐसा बयान नहीं दे सकता।

नीतीश के मंत्री ने प्रशांत किशोर पर ठोका मानहानि का केस

जेडी(यू) के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि प्रशांत किशोर द्वारा मेरी बेटी और मेरे खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद, मैंने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा, जिसका उनका जवाब असंतोषजनक था। उन्होंने जो कहा उसके लिए उन्हें स्पष्ट रूप से कोई पछतावा नहीं है।

प्रशांत किशोर बोले- अभी तक कोई ऐसा पैदा नहीं हुआ है जो...

एजेंसी

बिहार के मंत्री और जेडीयू के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी ने मंगलवार को जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी ने अपनी बेटी के लिए लोकसभा का टिकट हासिल करने के लिए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को रिश्वत दी थी। चौधरी, जिनकी बेटी शांभवी समस्तीपुर के आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद हैं। जेडी(यू) के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि प्रशांत किशोर द्वारा मेरी बेटी और मेरे खिलाफ

आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद, मैंने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा, जिसका उनका जवाब असंतोषजनक था। उन्होंने जो कहा उसके लिए उन्हें स्पष्ट रूप से कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा कि इसलिए मैंने कानूनी उपाय का सहारा लिया है। मैं प्रशांत किशोर को चुनौती देता हूं कि वे साबित करें कि मैंने चिराग पासवान को पैसे दिए थे या फिर माफी मांगकर अपने आरोप वापस लें। अगर जरूरत पड़ी तो मैं इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं।चौधरी ने पूर्व चुनाव रणनीतिकार किशोर जो कुछ समय तक जेडी(यू) से भी जुड़े रहे थे को एक राजनीतिक व्यापारी बताया, जिन्होंने शुल्क लेकर सभी तरह की पार्टियों को अपनी सेवाएं देने की पेशकश की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक प्रमुख सहयोगी चौधरी ने आरोप लगाया, इसके विपरीत, हम पूरी तरह से राजनीति में हैं। मैं खुद दूसरी पीढ़ी का राजनीतिज्ञ हूं। मेरी बेटी सबसे कम उम्र की सांसद है। प्रशांत किशोर एक दलित लड़की की इस उपलब्धि को पचा नहीं पा रहे हैं। चौधरी के दिवंगत पिता महावीर चौधरी उस समय मंत्री थे, जब राज्य में कांग्रेस का शासन था। प्रशांत किशोर ने उनके आरोपों का तुरंत जवाब दिया और कहा कि इस तरह की दबाव वाली हरकतें उनके साथ नहीं चलेंगी। तेसडे को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे एफआईआर या मानहानि के मामलों का डर नहीं है।